CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-343
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सफलता की राह में ठोकरें खाना ज़रूरी है, क्योंकि गिरकर उठने की ताकत ही असली सफलता का मंत्र है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 21 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी, एक की मौत

भागलपुर। भागलपुर के नवगछिया में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दोनों भांजे आपस में भिड़ गए। और मामूली विवाद के बाद दोनों भाइयों की ओर से गोलियां चलाई गईं। इस गोलीबारी की घटना में विश्वजीत यादव की मौत हो गई, जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जयजीत यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जगतपुर निवासी जयजीत यादव और विश्वजीत यादव के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में विश्वजीत यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। इस झगड़े के दौरान दोनों को बचाने पहुंची उनकी मां को भी गोली लग गई, जिनका इलाज भागलपुर स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना के तुरंत बाद घायल जयजीत यादव को भागलपुर में डॉ. एनके यादव के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। इस घटना से परिवार के लोग मर्माहत है। नवगछिया के परवत्ता थाना अध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि दोनों भाइयों के बीच पानी को लेकर विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इसी दौरान फायरिंग हुई और दोनों भाई घायल हो गए। पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है ताकि घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

जलवायु कार्रवाई में विकसित देश फेल अब भारत और ब्राजील से ही आस

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप30) के अध्यक्ष आंद्रे कोरिया डो लागो ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक उत्तर (विकसित देश) के नेतृत्व जलवायु कार्रवाई में विफल हो चुका है। अब भारत और ब्राजील जैसे वैश्विक दक्षिण के देश इस लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में मजबूत संस्थानों, वैज्ञानिक क्षमता के साथ बड़ी संवेदनशील आबादी है, जो उन्हें इस संकट से निपटने के लिए बेहतरीन स्थिति में खड़ा करती है।भारत में द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचे लागो पूर्व में ब्राजील के भारत में राजदूत भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका जलवायु मुद्दे पर पीछे हटता दिखा रहा है, यूरोप रक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। ऐसे में वैश्विक दक्षिण को ही नेतृत्व करना होगा। पेरिस समझौते और यूएनएफसीसीसी के बाहर भी वित्तीय व प्रशासनिक संस्थानों को जलवायु प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए प्रेरित करना होगा। कॉप30 अध्यक्ष ने कहा, दक्षिण ने बहुपक्षीय प्रक्रियाओं में सहयोगात्मक भूमिका निभाई, लेकिन उत्तर ने उत्सर्जन कम करने और वित्तीय सहायता देने के वादे पूरे नहीं किए। भारत और ब्राजील जैसे देशों के पास वैज्ञानिक क्षमता है, लेकिन गरीब आबादी भी है। इसलिए, उन्हें जलवायु समाधान खोजने होंगे। उन्होंने बताया कि ब्राजील और भारत ब्रिक्स व बेसिंक जैसे अंतरराष्ट्रीय समूहों में मिलकर दक्षिण-दक्षिण एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। कोरिया डो लागो ने कहा, जलवायु न्याय के लिए वैश्विक दक्षिण को एकजुट होकर नई रणनीतियां बनानी होंगी। कॉप30 में हम इस दिशा में ठोस कदम उठाने पर फोकस करेंगे।

नौ माह अंतरिक्ष में अटके रहे सुनीता-बुच को नहीं मिलेगा ओवरटाइम, जो मिलेगा वह होटल कर्मचारियों को दी जाने वाली टिप के बराबर

आसमां से उतरीं...नियमों के 'खजूर' में अटकीं सुनीता विलियम्स...

वॉशिंगटन। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर सुरक्षित वापसी के बाद एक बार फिर यह सवाल सुर्खियों में है कि क्या नौ महीने तक अंतरिक्ष में अटके रहने के बदले उन्हें कोई ओवरटाइम मिलेगा? तो इसका सीधा-सा जवाब है कतई नहीं। वैसे तो अंतरिक्ष यात्रियों का काम बेहद जोखिमभरा होता है लेकिन बात वेतन की आती है तो अमेरिकी नियम-कायदे उन्हें व्यावसायिक यात्रा पर निकले किसी सरकारी कर्मचारी के बराबर ही मानते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, सुनीता और विल्मोर 286 दिन बाद धरती पर वापसी लौट पाए क्योंकि अंतरिक्ष यान में खराबी के कारण के कारण ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 278 दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में ही फंसे रहे थे। लेकिन नासा के नियमों के मुताबिक, उन्हें अप्रत्याशित ढंग से अटके रहने के लिए कोई ओवरटाइम नहीं मिलेगा। हालांकि, ऐसी स्थिति में आकस्मिक खर्चों के तौर पर प्रतिदिन 5 अमेरिकी डॉलर दिए जाते हैं।

सिर्फ दैनिक आकस्मिक भत्ता मिलेगा न्यूयॉर्क टाइम्स ने नासा के अंतरिक्ष संचालन मिशन निदेशालय प्रवक्ता जिमी रसेल के हवाले से बताया कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्री संघीय कर्मचारियों के तौर पर आधिकारिक यात्रा पर होते हैं और उन पर भी उसी तरह के नियम-कायदे लागू होते हैं। रसेल ने बताया कि आईएसएस पर वक्त बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को ओवरटाइम, छुट्टी या सप्ताहांत वेतन नहीं मिलता है। उनके आने-जाने, रहने और खाने पर आने वाले खर्च को वहन किया जाता है और कार्य संबंधी यात्रा करने वाले अन्य संघीय कर्मचारियों की तरह उन्हें भी दैनिक आकस्मिक भत्ता मिलता है।

286 दिनों के लिए केवल 1430 डॉलर रसेल ने बताया कि किसी भी स्थान की यात्रा के लिए आकस्मिक भत्ता 5 डॉलर प्रतिदिन है। इसका मतलब यह है कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर को उनके वार्षिक वेतन (करीब 152258 डॉलर) के अलावा अंतरिक्ष में बिताए 286 दिनों के लिए करीब 1430 डॉलर मिले। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि आईएसएस में रहने के दौरान क्या आकस्मिक खर्च किया होगा। अमेरिकी जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, आम तौर पर यह राशि सामान ढोने वाले या होटल कर्मचारियों को दी जाने वाली टिप के लिए होती है। सुनीता विलियम्स अपने इस मिशन पर सिर्फ आठ दिनों के लिए गई थीं, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते बोइंग स्टारलाइनर में आई समस्या ने उनके इस मिशन को नौ महीने लंबा बना दिया।

सुनीता के सपोर्ट सिस्टम का अहम हिस्सा हैं पति माइकल एक तरफ जहां पूरी दुनिया सुनीता की घर वापसी का जश्न मना रही है, उनका परिवार भी उन्हें वापस देखकर बेहद खुश है। इस खुशी के पीछे सुनीता के पति माइकल जे. विलियम्स का बहुत बड़ा हाथ है। माइकल भले ही लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हों लेकिन सुनीता के सपोर्ट सिस्टम का हमेशा से एक अहम हिस्सा बनकर खड़े रहे हैं। सुनीता की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। सुनीता विलियम्स के पति माइकल जे. विलियम्स एक सेवानिवृत्त फेडरल मार्शल हैं। वे पहले एक हेलीकॉप्टर पायलट थे और अमेरिकी नौसेना में सेवा दे चुके हैं। माइकल लाइमलाइट से दूर रहते हैं लेकिन सुनीता के करियर और अंतरिक्ष मिशनों के लिए हमेशा एक मजबूत समर्थन प्रणाली बनकर खड़े रहे हैं। माइकल और सुनीता की पहली मुलाकात नौसेना में हुई थी, जहां दोनों हेलीकॉप्टर उड़ाया करते थे। माइकल अपनी निजी जिंदगी को लो-प्रोफाइल रखते हैं और वर्तमान में रिटायर्ड जीवन बिता रहे हैं। सुनीता और माइकल की पहली मुलाकात 1987 में मैरीलैंड के एनापोलिस स्थित नौसेना अकादमी में हुई थी। उस समय सुनीता और माइकल दोनों ही अपने-अपने करियर की शुरूआत कर रहे थे। सुनीता नासा से जुड़ने से पहले एक हेलीकॉप्टर पायलट थीं, जबकि माइकल एक अनुभवी हेलीकॉप्टर पायलट रह चुके हैं। यही एक चीज दोनों के बीच गहरी दोस्ती और बाद में प्यार की बड़ी वजह बनी। लंबे समय तक एक-दूसरे को समझने के बाद, सुनीता और माइकल ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में 90 के दशक के अंत में शादी करने का फैसला किया। सुनीता ने माइकल जे. विलियम्स से शादी करने के बाद अपना नाम ह्यसुनीता दीपक पांड्याह्ण से बदलकर ह्यसुनीता विलियम्सह्ण रख लिया। बता दें, सुनीता और माइकल पिछले 20 सालों से साथ हैं लेकिन उनके कोई बच्चे नहीं हैं।

सौरभ शर्मा केस पर विधानसभा में हंगामा

सरकार का सीबीआई जांच से इनकार ; डायरी को लेकर क्या बोले मंत्री

मध्य प्रदेश लोकायुक्त छापों के बाद सुर्खियों में आए आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का मुद्दा गुरुवार (20 मार्च) को विधानसभा में गूंजा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और हेमंत कटारे ने सौरभ शर्मा की वह डायरी सार्वजनिक करने की मांग की, जिसमें वसूली का कथित लेखा-जोखा है। सरकार ने ऐसी किसी डायरी और सीबीआई जांच कराने से इनकार किया है। विधानसभा में परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत ने विपक्ष के सवालों के सवालों का जवाब दिया। कहा, सौरभ शर्मा के पास ऐसी कोई डायरी नहीं मिली, जिसे सार्वजनिक करने की मांग की जा रही है। उन्होंने सीबीआई जांच से भी इनकार किया है। जिस पर कांग्रेस विधायक हंगमा करने लगे। कहा, सरकार असली गुनहगारों को बचाने की कोशिश कर रही है। **विपक्ष ने किया वॉकआउट** परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू मामले की जांच करने में सक्षम है। इसलिए सीबीआई जांच की जरूरत नहीं है। विपक्ष ने इसके बाद नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

जबलपुर में धान खरीदी घोटाला... नॉन प्रबंधक समेत 74 के खिलाफ एफआईआर बीजेपी विधायक की शिकायत पर एक्शन

मध्य प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। जबलपुर में प्रशासन ने नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक सहित 74 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। बीजेपी विधायक अजय बिश्नोई की शिकायत पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच कराई थी। जबलपुर जिला प्रशासन ने धान घोटाले में जिन 74 लोगों के खिलाफ एफआईआर की है, उनमें नागरिक आपूर्ति निगम के 13 कर्मचारी और 17 राइस मिल संचालक शामिल हैं। इनके अलावा 44 सोसाइटी व उपार्जन केंद्र के कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया गया है। इन्होंने फर्जी आरो के जरिए फर्जीवाड़ा किया है। जबलपुर में 3 लाख 81 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी में पहले भी अनियमितताएं सामने आई हैं। इस मामले में 22 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस फर्जीवाड़े में समिति प्रबंधक, खरीदी केंद्र प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर और वेयर हाउस संचालक शामिल हैं।

जांच में मिलीं यह गड़बड़ियां पाटन से बीजेपी विधायक अजय बिश्नोई ने जिला प्रशासन से शिकायत की थी। अधिकारियों ने जांच शुरू की तो पता चला कि राइस मिलर्स ने धान का उठाव नहीं किया। दलालों के जरिए उन्होंने समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान यहां-वहां करा दी। धान की मिलिंग के लिए 17 बाहरी मिलर्स ने एग्रीमेंट किया था, लेकिन धान नहीं उठवाई।

फर्जी नंबर वाले वाहनों से परिवहन जिला प्रशासन की जांच टीम ने टोल नाकों से धान परिवहन में लगे ट्रकों की लिस्ट मंगवाई तो पता चला कि जिन ट्रकों के नंबर दर्ज किए गए हैं, वह तो टोल नाकों से गुजरे ही नहीं। उनकी जगह फर्जी रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ियों से धान का परिवहन कराया गया।

टोल नाकों से गुजरे 15 ट्रक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, 1 लाख 31 हजार क्विंटल से अधिक धान फर्जी नंबर वाले वाहनों से ढोई गई है। रजिस्टर्ड नंबरों के ट्रक 614 ट्रिप गुजरने थे, लेकिन टोल पर्ची और सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि 15 ट्रक ही यहां से गुजरे हैं।

दल बदलने से कर्म नहीं बदलते... कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का दामन थामने वाले नेता की मुश्किलें बढ़ी, हत्या के प्रयास के एक 17 साल पुराने मामले में कोर्ट का फैसाल

'अक्षय', 'कांति' बम के खिलाफ आरोप तय...

इंदौर। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी का दामन थामने वाले अक्षय कांति बम की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। इंदौर जिला कोर्ट ने हत्या के प्रयास के एक 17 साल पुराने मामले में उनके खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अब इस मामले की नियमित सुनवाई होगी। बता दें लोकसभा चुनाव के दौरान से ही अक्षय कांति बम काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। यूनुस पटेल की शिकायत पर पुलिस ने 2007 में अक्षय बम और उनके पिता पर केस दर्ज किया था। जानकारी के मुताबिक अक्षय बम और उनके पिता कांति बम पर 4 अक्टूबर 2007 को यूनुस पटेल सहित अन्य लोगों ने जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया था। यूनुस पटेल की शिकायत पर खजराना पुलिस ने मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। केस में हत्या के प्रयास की धारा लगाने की मांग को लेकर वे अदालत पहुंचे। कोर्ट ने 24 अप्रैल 2024 को उनके खिलाफ धारा 307 के तहत केस दर्ज करने के आदेश दिए।

इसके साथ ही अक्षय और उनके पिता कांति बम के खिलाफ वारंट भी जारी हुआ लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए. जिस पर कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। इसके खिलाफ दोनों पिता-पुत्र ने हाईकोर्ट का रुख किया। जहां कोर्ट ने से उन्हें राहत दे दी, लेकिन इस मामले की सुनवाई इंदौर की जिला कोर्ट में चल रही थी। अब अपर सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा ने अक्षय बम और उनके पिता पर आरोप तय कर दिए हैं।

पूरे मामले की नियमित सुनवाई होगी

इस पूरे मामले में एक आरोपी सोनू घटना के बाद से फरार है, जबकि एक अन्य आरोपी सतवीर की मौत हो चुकी है। इंदौर के जिला कोर्ट के 22वें अपर सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार शर्मा ने अक्षय बम और उनके पिता कांति बम पर आरोप तय किए हैं। अब इस पूरे मामले की नियमित सुनवाई होगी। वहीं कोर्ट के समक्ष लोक अभियोजन अधिकारी अभिजीत राठौर ने कोर्ट में पैरवी की। बता दें अक्षय कांति बम को कांग्रेस ने इंदौर लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था, लेकिन ऐन वक्त पर उन्होंने अपना नाम वापस लेकर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी, जिसके बाद से ही वे सुर्खियों में बने हुए थे।

अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी

मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। जिला लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर के मुताबिक केस में आरोप तय हो गए हैं। अगली सुनवाई 30 अप्रैल तय की गई है। इसमें सभी गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। बता दें कि 4 अक्टूबर 2007 को अक्षय कांति बम, उनके पिता कांतिलाल बम और उनके साथी मनोज गुर्जर पर युनुस पटेल नामक किसान ने जमीन पर कब्जा करने और कांति बम की लाइसेंसी बारह बोर की बंदूक से फायर करने का केस दर्ज करवाया था। इस मामले में कनाडिया पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसमें प्राणघातक हमले की धाराएं नहीं जोड़ी गईं थी। इस पर पीड़ित युनुस पटेल ने कोर्ट की शरण ली थी और प्राणघातक हमले की धाराएं बढ़ाने की अपील की थी। मामले में उस समय मोड़ आया जब अक्षय बम को कांग्रेस ने 2024 में इंदौर लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया। इसी बीच कोर्ट ने अक्षय बम, कांतिलाल बम और मनोज ठाकुर के खिलाफ 307 की धारा बढ़ाने के साथ ही गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इसी दौरान अक्षय बम ने कांग्रेस का दामन छोड़ दिया और अचानक से भाजपा विधायक रमेश मेंदोला के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन वापस ले लिया।

क्लाथ मार्केट की दुकानों में आग, कई दुकानें जलकर खाक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के क्लाथ मार्केट क्षेत्र में गुरुवार सुबह आग लग गई। दमकले मौके पर पहुंचती, उससे पहले एक दुकान में लगी आग ने आसपास की अन्य दुकानों को भी चपेट में ले लिया। घटना सराफा थाना क्षेत्र स्थित चांद ऋषि मार्केट की है। आग के कारण दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। फायरब्रिगेड को ज्यादा धुआं होने के कारण भी परेशानी आई,क्योंकि दुकानों में कपड़ा रखा होने के आग पर काबू पाने में भी काफी समय दमकलों को लगा।आग लगने की घटना सुबह छह बजे हुई। लोगों ने जब एक दुकान से धुआं उठता देखा तो फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दुकानदार भी मौके पर आ गए और अपने स्तर पर पानी

डालकर आग बुझाने का प्रयास करते रहे। उससे पहले बिजली विभाग ने बिजली गुल कर दी। फायर ब्रिगेड की दमकलों को भी संकरी गलियां होने के कारण मौके पर पहुंचने में ज्यादा समय लगा, हालांकि सुबह का समय था, इस कारण गलियों में वाहन नहीं खड़े थे। अन्यथा और देर लग सकती थी। आग पर दो घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका। दुकानदार भी दुकानों में से बिना जला समान निकालते नजर आए।

चौकीदार ने देखी आग की लपटें

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 5.30 बजे चौकीदार ने मार्केट से उठती लपटें देखीं। तुरंत इसकी सूचना व्यापारियों और दमकल विभाग को दी गई। दमकल की टीमें 6:30 बजे मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

शॉर्ट सर्किट की आशंका

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस हादसे में सोनम कलेक्शन, दिलीप मैचिंग, लोटस फैशन, नर्सिंग की दुकान, दीप टेक्सटाइल्स, पूजा श्री, राज श्री फैब्रिक और कुइया टेलर समेत कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, करीब 5 से 7 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इस आग में करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं हैं।

दमकल कर्मियों को आई मुश्किलें

संकरी गलियों और भारी धुएं के कारण दमकल वाहनों को अंदर जाने में कठिनाई हुई। स्थानीय लोगों की मदद से पाइप डालकर आग बुझाई गई। दुकानों में भारी मात्रा में कपड़ा होने के कारण अंदर अब भी धुआं भर गया था। एसीपी मनोज खत्री ने बताया कि आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। हालांकि, नुकसान के सटीक आकलन और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

मार्केट के मेन गेट की चौड़ाई केवल 3 फीट

कपड़ा मार्केट के मेन गेट की चौड़ाई पहले 12 फीट हुआ करती थी, जो अब केवल 3 फीट रह गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां पर दुकानदारों ने अतिक्रमण किया हुआ है। इससे फायर ब्रिगेड को आग बुझाने में समस्या आती है, जिससे नुकसान बढ़ता है।

व्यापारी संघ ने प्रशासन से अपील की है कि वे अतिक्रमण हटाने और सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए कड़े कदम उठाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

34 शराब दुकानें नहीं हो पाई नीलाम, आबकारी विभाग छठी बार कर रहा कोशिश

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर शहर की 34 शराब दुकानें आबकारी विभाग के लिए गंभीर समस्या बन गई हैं। पांच बार नीलामी प्रक्रिया आयोजित करने के बावजूद 302 करोड़ रुपये मूल्य की इन दुकानों को खरीदने के लिए कोई भी व्यापारी आगे नहीं आया है। इस स्थिति को देखते हुए आबकारी विभाग ने अब छठी बार इन दुकानों की नीलामी करने का निर्णय लिया है। इस बार विभाग ने दुकानों को 13 की बजाय 18 समूहों में विभाजित कर दिया है, जिससे व्यापारियों को अधिक विकल्प मिल सके। इसके अलावा, नीलामी में कम कीमत पर बोली लगाने का विकल्प भी जोड़ा गया है, ताकि व्यापारियों को आकर्षित किया जा सके। हर वित्तीय वर्ष की तरह इस बार भी 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक के लिए शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया

फरवरी में शुरू की गई थी। नई शराब नीति के अनुसार, दुकानों की कीमत में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई, जिससे कई व्यापारियों ने रुचि नहीं दिखाई। शुरुआती प्रक्रिया में 173 दुकानों में से 64 दुकानों को दोबारा संचालित करने के लिए मौजूदा व्यापारियों ने आवेदन नहीं किया। इस पर आबकारी विभाग ने लॉटरी के माध्यम से इन दुकानों की नीलामी करने की कोशिश की, लेकिन इनमें से भी 34 दुकानें नहीं बिक सकीं। इसके बाद विभाग ने मार्च में चार बार नीलामी प्रक्रिया शुरू की, लेकिन एक भी व्यापारी ने भाग नहीं लिया।

छठी बार बदली नीलामी की रणनीति

लगातार असफल नीलामी के बाद आबकारी विभाग ने छठी बार नई प्रक्रिया की घोषणा की है। इस बार 34 दुकानों को छोटे समूहों में बांटते हुए 18 समूहों में विभाजित किया गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बदलाव के बाद व्यापारी अधिक रुचि दिखा सकते हैं। नीलामी प्रक्रिया 22 मार्च तक जारी रहेगी, और उसी दिन आए हुए आवेदनों को खोलते हुए दुकानों की नीलामी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

बोली लगाने पर मिल सकती है छूट

आबकारी विभाग ने दुकानों को 18 समूहों में बांटने के साथ ही उनकी कीमतों में कमी करने का भी निर्णय लिया है। पहली बार विभाग ने तय कीमत से 5 प्रतिशत कम पर भी बोली लगाने की अनुमति दी है। यदि कोई व्यापारी कम राशि की बोली लगाता है, तो इसे शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद दुकान को कम कीमत पर भी नीलाम किया जा सकेगा। इस नए फैसले से उम्मीद की जा रही है कि व्यापारी अधिक रुचि दिखाएंगे और विभाग की समस्या का समाधान हो सकेगा।

दस साल में नाले से नदी नहीं बन पाई कान्ह

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पिछले एक दशक से कान्ह-सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने और उसमें स्वच्छ जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया गया है। इन परियोजनाओं पर अब तक लगभग 1200 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक इस नदी को नाले से नदी में परिवर्तित करने में सफलता नहीं मिल पाई है। खासतौर पर 200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एसटीपी प्लांट भी लगाए गए, ताकि उद्योगों और अन्य दूषित जल को सीधे कान्ह-सरस्वती नदी में मिलने से रोका जा सके। इसके अलावा अब रीवर फ्रंट कॉरिडोर पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाने की योजना है। इसके लिए प्राधिकरण ने फिजिबिलिटी सर्वे भी करवाया, जिसमें 1.9 किलोमीटर के हिस्से पर ही 75 करोड़ रुपए से अधिक का खर्च अनुमानित किया गया है।

नदी की सफाई और सौंदर्यीकरण के प्रयास

बीते कई वर्षों से मानसून से पहले हजारों ट्रक गाद निकालने का काम किया जाता रहा है। इसके अलावा नाला टेपिंग से लेकर सौंदर्यीकरण तक कई कार्य किए गए हैं। इंदौर के नागरिकों ने भी कान्ह-सरस्वती शुद्धिकरण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस दिशा में कई जनसेवा कार्य भी किए गए। इसके बावजूद इन नदियों को पुनर्जीवित करने में अब तक सफलता हासिल नहीं हो पाई है। इस बीच नदी-नगर श्रृंखला के तहत विशेषज्ञों ने इंदौर रीवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कृत्रिम सौंदर्यीकरण को लेकर आपत्ति जताई गई और इस प्रोजेक्ट को व्यर्थ बताया गया।

फिजिबिलिटी सर्वे और लागत का आकलन

प्रशासन ने हाल ही में रीवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के एक हिस्से की जिम्मेदारी इंदौर विकास प्राधिकरण को सौंपी थी। इस परियोजना के तहत शहर की एक निजी कंसल्टेंट फर्म मेहता एसोसिएट द्वारा फिजिबिलिटी सर्वे करवाया गया। इस सर्वे में केवल 1.9 किलोमीटर के हिस्से पर ही 75 करोड़ रुपए से अधिक की लागत का अनुमान लगाया गया है। इस राशि का प्रावधान प्राधिकरण के बजट में भी किया जाएगा। प्राधिकरण का कहना है कि इस राशि को नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत मांगा जाएगा, जिसमें कान्ह-सरस्वती नदी के लिए भी आवश्यक राशि प्राप्त की जाएगी।

सिंहस्थ और अन्य प्रोजेक्ट्स में निवेश

इसके अलावा सिंहस्थ के आयोजन के मद्देनजर प्रशासन द्वारा 1600 करोड़ रुपए से अधिक की राशि विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर खर्च की जा रही है। इसमें 600 करोड़ रुपए का डक्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है, जिसके अंतर्गत एक टनल बनाई जाएगी। इस टनल के माध्यम से कान्ह नदी का गंदा पानी बिना शिप्रा नदी में मिलाए सीधे बाहर छोड़ा जाएगा। इस डक्ट प्रोजेक्ट का उद्देश्य कान्ह-सरस्वती नदी के प्रदूषण को कम करना और शिप्रा नदी को शुद्ध बनाए रखना है।

विश्व गौरैया दिवस पर घोंसले लगाने की शुरुआत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। विश्व गौरैया दिवस पर शहर की एक संस्था ने 500 निलय यानी घोंसले लगाने की शुरुआत की है। दरअसल पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, आधुनिक शहरीकरण और बढ़ते प्रदूषण के कारण गौरैया पक्षी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी है। एक समय था जब गौरैया की चहचहाहट से सुबह की शुरुआत होती थी, लेकिन अब यह आवाज सुनाई नहीं देती। गौरैया एक ऐसी पक्षी है जो मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। इसकी संख्या में लगातार आ रही कमी एक चेतावनी है कि प्रदूषण और रेडिएशन प्रकृति और मानव जीवन पर कितना गंभीर प्रभाव डाल रहे हैं। गौरैया पृथ्वी पर सबसे आम और प्राचीन पक्षी प्रजातियों में से एक है, जो सदियों से हमारे पर्यावरण और संस्कृति का हिस्सा रही है। भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में गौरैया पक्षी की संख्या तेजी से घट रही है। यह पक्षी कई संस्कृतियों में सादगी, खुशी और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। गौरैया का महत्व केवल पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव संस्कृति, परंपराओं और लोककथाओं में भी गहरी पैठ रखती है। कभी यह पक्षी घरों की मुंडेरों, आंगनों और बगीचों में आमतौर पर दिखता था, लेकिन अब यह बहुत कम नजर आता है। इसका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है, और कहीं-कहीं तो यह पूरी तरह से लुप्त होती जा रही है।

गौरैया प्राकृतिक रूप से उन्हीं स्थानों पर

जीवित रह सकती है जहां उसे अनुकूल पर्यावरण मिले, विशेषकर देशी पौधों वाले क्षेत्र। यदि हम चाहते हैं कि यह नन्हा परिंदा वापस लौटे, तो हमें अपने घरों और बगीचों में ऐसे पौधे लगाने चाहिए जो गौरैया के अनुकूल हों। इसके अलावा, हमें पक्षियों के लिए घोंसले (पक्षी निलय) उपलब्ध कराने और भोजन-पानी की व्यवस्था करने जैसे प्रयास करने चाहिए। पर्यावरणविद स्वप्निल व्यास का कहना है कि गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके लिए ठोस कदम उठाने की सख्त जरूरत है।

गौरैया के संरक्षण के लिए पिछले कुछ वर्षों से विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर मालवमंथन संस्था द्वारा पक्षी निलय लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष भी बटुकेश्वर दत्त उद्यान, साऊथ राज मोहल्ला, इंदौर में पक्षी निलय स्थापित कर आगामी दिनों में 500 निलय लगाने की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का संचालन संयोजक आभा उपाध्याय ने किया और आभार एन.के. उपाध्याय ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विजया रघुवंशी, राकेश ओझा, संपत प्रजापत, आरती शर्मा, अनिता जोशी और लक्ष्मी गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रालामंडल के पास सिल्वर स्प्रिंग-2 टाउनशिप में तेंदुए का मूवमेंट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रालामंडल अभयारण्य से लगी हुई कॉलोनी सिल्वर स्प्रिंग-2 टाउनशिप के पास सिल्वर नेचर में तेंदुआ देखा गया है। सीसीटीवी कैमरों में तेंदुए का मूवमेंट कैद हुआ है, जिसके बाद वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। बुधवार रात को सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ टाउनशिप के खाली प्लॉट में घूमता नजर आया, जिससे वहां के लोग दहशत में आ गए। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। टाउनशिप कमेटी ने निवासियों को सुबह और शाम की सैर के दौरान अलर्ट रहने की सलाह दी है। रालामंडल के एसडीओ योहन कटारे के मुताबिक गर्मी बढ़ने के कारण जानवर पानी और भोजन की तलाश में जंगल से बाहर निकल आते हैं, जिससे वे कई बार शहरी इलाकों तक पहुंच जाते हैं।

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ दिखाई दिया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह रालामंडल से आया है या किसी और क्षेत्र से, क्योंकि बायपास के पास तीन से चार पहाड़ियां हैं। रालामंडल में पहले भी तेंदुओं की मौजूदगी के प्रमाण मिल चुके हैं।

वन विभाग का कहना है कि इंदौर में जहां-जहां तेंदुए देखे गए हैं, वे सभी अलग-अलग तेंदुए हैं। इंदौर डिवीजन में कुल 60 तेंदुए हैं, जिनका मूवमेंट इंदौर, महू, मानपुर और चोरल क्षेत्र में रहता है। रालामंडल में सबसे ज्यादा तेंदुओं की मौजूदगी होती है, क्योंकि वहां घने जंगल हैं और शिकार के लिए खरगोश, नीलगाय, लकड़बग्घा, लोमड़ी, चीतल, जंगली सूअर, सियार, चिंकारा जैसे जानवर मिलते हैं। तेंदुआ इंसानों पर सीधे हमला नहीं करता।

बच्ची पर हमले के बाद निगम की टीम ने घेराबंदी कर कुत्तों को पकड़ा

इंदौर। पंचकुइया राम मंदिर परिसर में बुधवार को कुत्तों ने एक मासूम बच्ची पर हमला कर दिया। हमले में वह बुरी तरह जख्मी हो गई। उसे बचाने आई मां और लोगों पर भी कुत्तों ने हमला किया। बीते दो-तीन दिनों में कुत्तों ने 4-5 लोगों को काटा है। शिकायत के बाद गुरुवार को नगर निगम टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर तीन कुत्तों को पकड़ा। दरअसल बच्ची बाहर परिसर में खेल रही थी तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची घबरा गई। इस दौरान कुत्तों ने उसे सिर पर काटा और नोंचा। मंदिर प्रबंधन द्वारा नगर निगम को शिकायत करने के बाद नगर निगम की टीम गुरुवार को पहुंची और काफी मशक्कत के बाद तीन कुत्तों को पकड़ा। अधिकांश कुत्ते गेट और खेतों के रास्ते से भाग निकले।

स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम पहुंची, आज से शुरू होगा सर्वे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग के लिए दिल्ली की टीम ने आमद दे दी है। नगर निगम भी स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए पूरी तरह तैयार है। सवाल यह उठता है कि क्या आठवीं बार भी इंदौर के सिर पर स्वच्छता का ताज बरकरार रहेगा या कोई दूसरा शहर इसे पहनेगा। शुक्रवार से शहर में सर्वेक्षण शुरू होगा।

नगर निगम मेयर और अफसरों को दावा है कि इस बार भी रैंकिंग में पहले पायदान पर इंदौर नंबर वन रहेगा। बीते दो-तीन वर्षों में जो शहर हमसे कमतर रहे है, वे भी इस बार पहले स्थान पर आने के लिए

खूब मेहनत कर रहे है। शहरवासी मानते है कि पहले की तुलना में इंदौर में सफाई थोड़ी कमजोर हुई है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में देशभर के चार हजार से ज्यादा शहरों में शुरू हो चुका है। सर्वे की तैयारी इंदौर नगर निगम ने चार माह पहले से की थी, लेकिन सर्वे देरी से होने के कारण बार-बार वॉल पेटिंग, बेकलेन सफाई करना पड़ी। इस बार इंदौर को प्रिमियर लीग में रखा है। इस लीग में सूरत और नवी मुंबई से इंदौर को कड़ी टक्कर मिल रही है। पिछली बार सूरत ने इंदौर के साथ पहला पुरस्कार संयुक्त रुप से साझा किया था। इस बार मुकाबला और कड़ा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए आई टीम ने शुरुआत सुबह खजराना मंदिर से की है।

इस मंदिर में फूलों से खाद बनाने का काम बीते सात वर्षों से चल रहा है और सफाई भी काफी रहती है, हालांकि इंदौर का स्वच्छता सर्वेक्षण विधिवत रुप से शुक्रवार से शुरू होगा। टीम बस्ती व कॉलोनियों में जाकर सफाई व्यवस्था का आंकलन करेगी।

निगमायुक्त शिवम वर्मा के मुताबिक जब भी टीम सर्वेक्षण करेगी हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम हमेशा की तरह नंबर वन रहेंगे। आगे भी नंबर वन बने रहेंगे। स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर इंदौर में नगर निगम की तैयारियां जोरों पर हैं। निगम के आला अधिकारियों से लेकर कनिष्ठ अधिकारी भी लगातार मैदान में डटे हुए हैं। पहले सर्वेक्षण की टीम फरवरी माह में आने वाले थी, लेकिन इसके बाद मार्च महीने में आने की बात सामने आई थी। गुरुवार को नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि टीम के जल्द आने की सूचना मिल चुकी है। जब भी सर्वेक्षण होगा हमारे शहरवासी और नगर निगम की टीम सभी तैयार है।

अपना फीडबैक जरूर दें

नगर निगम आयुक्त वर्मा ने शहरवासियों से अपील की है कि जनता की ही मेहनत से हमारा शहर अव्वल रहा है। हमेशा अव्वल बना रहे, इसलिए अपना फीडबैक जरूर दें। आपके फीडबैक से ही हम मोटिवेट होते हैं, बेहतर काम करते हैं।

हमेशा कुछ नया और बेहतर करने का जुनून जनता के सहयोग से ही आता है। इसलिए ?फीडबैक दें और हमारी सफाई व्यवस्था में भी सहयोग प्रदान करते रहें।

इस बार सर्वे में यह होंगे सफाई के मापदंड

- ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन व्यवस्थित करना और उसके फिर से उपयोग का तरीका -कचरा कैसे अलग-अलग किया जा रहा है और उसका संग्रहण कैसे होता है।
- शहर की जल निकासी व्यवस्था कैसी है। जल के पुनः उपयोग के लिए शहर क्या कर रहे हैं।
- शहरवासी सफाई से कितने संतुष्ट है। उनका फीडबैक भी सर्वे में शामिल रहेगा।
- सफाईकर्मियों के लिए नगरीय निकाय क्या सुरक्षा उपाय अपनाते है और उनके लिए क्या सुविधाएं है।

घुमक्कड़ विभाग के विकास आयुक्त कार्यालय में हुई आगजनी

प्रदेश स्तरीय कार्यालयों वाले विंध्याचल भवन में लगी आग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के अरेरा हिल्स स्थित विंध्याचल भवन की दूसरी मंजिल पर गुरुवार दोपहर बाद करीब पौने चार बजे आग लग गई। आग दूसरी मंजिल पर उस स्थान पर लगी, जहां भवन का रिनोवेशन किया जा रहा था। गनमीत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और बड़ी हानि होने से बच गई। यह पहली बार नहीं है, जब प्रदेश स्तरीय कार्यालय में आग लगी है। इसके पहले विंध्याचल भवन और सतपुड़ा भवन में आग की लपटें उठती रही हैं। जानकारी के अनुसार, विंध्याचल भवन की दूसरी मंजिल पर बड़ी संख्या में गत्ते रखे हुए थे। उसी गत्तों से आग का धुआं उठना शुरू हुआ। सूचना के बाद मौके पर चार दमकलों को भेजा गया, जिससे आग समय पर काबू में आ गई। हादसा घुमक्कड़ विभाग के विकास आयुक्त कार्यालय में हुआ है। इसी मंजिल पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का विकास आयुक्त कार्यालय भी है, जहां कुछ वर्षों पहले देर रात भीषण आग लगी थी। वह आग इतनी भीषण थी कि सुबह तक बुझ नहीं सकी थी। कुछ साल पहले इसी इमारत की पांचवीं मंजिल में बीज एवं फार्म विकास कार्यालय में आग लग गई थी। इस आगजनी में अमानक बीज से जांच और विभाग के कर्मचारियों की विभागीय जांच संबंधी फाइलें

जलकर खाक हो गई थीं। सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश शर्मा ने बताया कि आग लगने से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। जांच कर पता लगाया जा रहा है कि कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज तो नहीं जले हैं।

सतपुड़ा भवन में जून 2023 में लगी थी भीषण आग

मध्यप्रदेश के दूसरे सबसे बड़े प्रदेश स्तरीय कार्यालय सतपुड़ा भवन के पश्चिमी ब्लॉक में 12 जून 2023 को दोपहर में भीषण आग लग गई थी। आग इतनी भीषण भी कि चौथी मंजिल से छठवीं मंजिल तक पहुंच गई थी और तीनों मंजिल पर स्थित संचालक आदिम जाति कल्याण विभाग, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग का अधिकांश रिकॉर्ड जलकर खाक हो गया था। आग से इमारत इतनी कमजोर हो गई, उसकी मरम्मत का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। इस बीच सतपुड़ा भवन को ही तोड़कर नया कार्यालय बनाए जाने पर भी प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है। बड़ी मशक्कत से 20 घंटे बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका था।

मंत्रालय की पुरानी इमारत में भी लगी भीषण आग

मध्यप्रदेश के प्रशासनिक मुख्यालय वल्लभ भवन (मंत्रालय) की पुरानी इमारत के पांचवीं मंजिल पर 9 मार्च 2024 को भीषण आग लग गई थी। आग लगने से मुख्यमंत्री कार्यालय के अधीन आने वाले सीएम स्वेच्छानुदान, आर्थिक सहायता सहित पांचवीं और छठवीं मंजिल में रखा महत्वपूर्ण दस्तावेज और कबाड़ जलकर खाक हो गया था।

स्वास्थ्य बजट में 8.78% की वृद्धि अधोसंरचना और मैनपॉवर पर जोर

विधानसभा बजट सत्र में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने दी जानकारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। विधानसभा बजट सत्र में विभागीय अनुदान मांग पर बोलते हुए डिप्टी सीएम एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य मानकों में सुधार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास, आधुनिक उपकरणों और चिकित्सा मैनपावर की उपलब्धता के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में इस वर्ष लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के बजट में 8.78त्न की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल से सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में शव वाहन की सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

राजस्व और पूंजी मद में वृद्धि

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 8.78त्न की वृद्धि की गई है। इस वृद्धि में राजस्व मद में 4.62त्न और पूंजी मद में 34त्न की वृद्धि शामिल है। यह बजट प्रदेश के आमजन को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसके तहत 3900 चिकित्सकों, 4300 पैरामेडिकल स्टाफ और 16,000

से अधिक सहायक स्टाफ की भर्ती की जाएगी।

मध्यप्रदेश का कैंसर केयर मॉडल पूरे देश में लागू

डिप्टी सीएम ने बताया कि प्रदेश में 52 डे केयर सेंटर क्रियाशील हैं, जिनमें 42 प्रकार की कैंसर रोधी दवाएं उपलब्ध हैं। अप्रैल 2024 से अब तक 8,000 कीमोथेरेपी सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। प्रदेश के कैंसर केयर मॉडल को केंद्र सरकार ने अपनाया है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है।

सीएचसी को फर्स्ट रेफरल यूनिट बनाया जाएगा

प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इस वर्ष के बजट में 53.56त्न की वृद्धि की गई है। सरकार सीएचसी को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में विकसित करने के प्रयास कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हों और जिला अस्पतालों पर भार कम हो।

15 अप्रैल से शव वाहन सेवा होगी प्रारंभ

सरकार मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में 1000 प्रकार की दवाइयां और 300 से अधिक प्रकार की जांचें नि:शुल्क दी जा रही हैं। इसी क्रम में 15 अप्रैल से शव वाहन सेवा प्रारंभ की जाएगी, जिससे मृतकों के पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। जिला अस्पतालों में 2 और मेडिकल कॉलेजों में 4 शव वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए 1500 करोड़ रुपये स्वीकृत

प्रदेश में सुपर स्पेशलिटी हृदय उपचार सेवाओं को सीएम केयर योजना में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा सतना, रीवा और इंदौर के चिकित्सा महाविद्यालयों के उन्नयन और निर्माण कार्य के लिए 1500 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, 125 नए स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और उन्नयन के लिए 1155.82 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

प्रदेश में 17 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय पहले से संचालित हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में श्योपुर और सिंगरौली में 2 नए चिकित्सा महाविद्यालय शुरू किए जाएंगे। इसके बाद अगले वर्ष 6 और मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे।

सरकार पीपीपी मोड पर 12 नए चिकित्सा महाविद्यालय संचालित करने की योजना पर भी काम कर रही है। अगले कुछ वर्षों में 10,000 एमबीबीएस और 5,000 पीजी सीटें बढ़ाई जाएंगी।

25 हजार से कम वार्षिक शुल्क वाले स्कूलों को राहत

एमपी में नए सत्र से निजी स्कूलों की फीस पर सख्त नियम लागू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। राज्य सरकार निजी स्कूलों की फीस नियंत्रण को लेकर संशोधित कानून को विस्तृत नियम बनाकर इसी बार से लागू करने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 11 मार्च को नियमों का प्रारूप जारी कर संबंधित पक्षों से 30 दिन के भीतर आपत्ति एवं सुझाव मांगे हैं। इसके आधार पर परीक्षण कर नियमों को अंतिम रूप देकर लागू कर दिया जाएगा।

इसमें यह प्रावधान किया गया है कि ऐसे निजी स्कूल जिनका वार्षिक शुल्क 25 हजार रुपये से कम है, वे इस कानून के दायरे में नहीं आएंगे। इसके लिए सरकार मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन)-2020 के नियम में संशोधन करने जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के उपसचिव ओएल मंडलोई ने अधिसूचना जारी करते हुए उल्लेखित किया है कि 30 दिन बाद जो आपत्तियां या सुझाव आएंगे, उन पर विचार कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा, जो स्कूल इस नियम के दायरे में नहीं आएंगे, उन्हें नोटरीकृत शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

राज्य स्तरीय समिति 45 दिन में करेगी मामले का निपटारा

संशोधित फीस नियंत्रण कानून का पालन करवाने के लिए जिला स्तर पर बनी विभागीय समिति की निगरानी राज्य स्तरीय समिति करेगी। इसके अध्यक्ष विभागीय मंत्री होंगे। राज्य स्तरीय समिति विभागीय समिति द्वारा लगाए जाने वाले दंड को घटा, बढ़ा या फिर निरस्त कर सकेगी। राज्य स्तरीय समिति को 45 दिन के भीतर आपत्तियों का निपटारा करना होगा। किसी भी निजी स्कूल द्वारा 15 प्रतिशत से अधिक की फीस वृद्धि संबंधी निर्णय के अतिरिक्त सभी मामलों में राज्य स्तरीय विभागीय समिति का निर्णय अंतिम होगा। यही अपील की सुनवाई करेगी और उसका निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा। निजी स्कूलों पर ऐसे होगा नियंत्रण - बस फीस वार्षिक शुल्क में जुड़ेगी। 10 प्रतिशत से अधिक फीस नहीं बढ़ा पाएंगे।

सीएम मोहन यादव ने उज्जैन को दी बड़ी सौगात

किसानों को मिलेगा सिंचाई के लिए पानी ही पानी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा तराना में 2489.65 करोड़ रुपये की लागत से नर्मदा क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना व अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव तराना में श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर के नए महंत की चादर विधि कार्यक्रम एवं महारुद्र यज्ञ में भी शामिल हुए। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्री महंत प्रेमगिरी महाराज, वरिष्ठ अध्यक्ष पंचदशनाम जूना अखाड़ा से भी भेंट की। उक्त परियोजना से सिंचित क्षेत्रफल 30,000 हेक्टेयर हेतु पुनरीक्षित राशि रु. 2489.65 करोड़ की प्राप्त हुई थी। इस परियोजना से कुल 100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उज्जैन जिले की दो तहसील (तराना, घटिया), विधानसभा क्षेत्र तराना के कुल 83 ग्रामों की 27490 हेक्टेयर भूमि तथा शाजापुर जिले की एक तहसील (शाजापुर) विधानसभा क्षेत्र शाजापुर के कुल 17 ग्रामों की 2728 हेक्टेयर भूमि लाभान्वित होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जल संसाधन विभाग के इंदौख हाईलेवल ब्रिज 9.64 करोड़ की लागत का भी लोकार्पण, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत उपस्वस्थाय केंद्र भवन जिसकी कीमत सात करोड़ 15 लाख का भूमिपूजन, सामुदायिक स्वस्थ केंद्र 5 करोड़ 73 की लागत के भवन का लोकार्पण, 5 करोड़ 21 लाख की अंतर्गत 11 नल जल परियोजनाओं का लोकार्पण, समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ग्राम कडेरी में जनपद पंचायत के हाईस्कूल का भूमिपूजन किया।

अलंकार ज्वैलर्स और गोल्डन सिटी के ठिकानों पर आयकर का सर्वे

भोपाल। आयकर विभाग ने गुरुवार को राजधानी के न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स और चूनाभट्टी स्थित गोल्डन सिटी बिल्डर के दफ्तर में सर्वे की कार्यवाही शुरू की है। दोपहर बाद शुरू की गई इस कार्रवाई में दोनों ही प्रतिष्ठानों से करोड़ों रुपए की आयकर चोरी का खुलासा होने की संभावना है। उधर चूना भट्टी स्थित अल्फा कम्युनिकेशन और अल्फा सॉल्यूशंस के संचालक सौरभ अग्रवाल पर करीब 15 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी निकली है। गुरुवार को आयकर विभाग द्वारा की जा रही सर्वे की कार्यवाही में न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स के यहां सोने के आभूषणों की बिक्री में वास्तविक कीमत छिपाने के मामले में कार्यवाही हो रही है। बताया जाता है कि इस प्रतिष्ठान के संचालकों द्वारा टैक्स बचाने के लिए पक्के बिल जारी नहीं किए। बोगस बिल जारी किए जा रहे हैं। इसके आधार पर विभाग की टीम जांच कर रही है। दोपहर बाद यहां पहुंची टीम ने अलंकार ज्वेलर्स के रिकॉर्ड और बिलों की जांच शुरू कर दी है। उधर, चूनाभट्टी के समीप स्थित गोल्डन सिटी के संचालक और बिल्डर मनीष जैन के दफ्तर पर भी आयकर विभाग ने सर्वे शुरू किया है। जैन के द्वारा भूमि और भवन के बिक्री में सभी तरह के टैक्स का भुगतान नहीं किए जाने और नगद लेनदेन के मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। जैन को भी एमपी के पूर्व मुख्य सचिव का करीबी बताया जा रहा है।

डेढ़ दर्जन युवकों ने पॉश कॉलोनी में जमकर मचाया गदर, शराब पीने से मना करने पर बलवा

भोपाल। राजधानी के गांधी नगर स्थित एक पॉश कालोनी में बुधवार-गुरुवार की रात करीब डेढ़ दर्जन युवकों ने जमकर हंगामा मचाया। स्थानीय लोगों ने उन्हें शराब पीने से मना किया था, जिसके बाद युवकों ने लाठी-डंडा लेकर लोगों के साथ मारपीट भी की। यह घटना कालोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, फरियादी आनंद टहलानी (42) आर्चेज मैजिस्टिक कालोनी में रहते हैं और एक निजी बैंक में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि रंगपंचमी की शाम को कुछ युवक कॉलोनी के गेट पर बैठकर शराब पी रहे थे, जिससे आने-जाने वालों को परेशानी हो रही थी। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो सभी युवक वहां से चले गए। देर रात वह अपने पंद्रह से बीस साथियों को लेकर वापस लौटे और कालोनी वालों के साथ गाली-गलौज करने लगे। यह युवक अपने हाथों में लाठी-डंडे भी लिए हुए थे। स्थानीय लोगों ने जब घर के बाहर निकलकर उनका विरोध किया तो युवक उन्हें मारने के लिए दौड़े। करीब आधा घंटे तक सभी युवक पूरी कालोनी में उत्पात मचाते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो सभी युवक वहां से भाग निकले।

ईडन पार्क-इनायतपुर में आज बिजली कटौती, भोपाल के 40 इलाकों में असर

भोपाल। राजधानी भोपाल के करीब 40 इलाकों में शुक्रवार को 1 से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें बागली रोड, शारदा कुंज, ईडन पार्क, इनायतपुर जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बिजली नहीं होने की वजह से उन्हें परेशान न होना पड़े। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक ग्लोबल पार्क सिटी कॉलोनी, सेंचुरी स्काई, स्वर्ण कुंज, नर्मदा अपॉर्टमेंट एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से 11 बजे तक मुंगा, भोपाल टॉउन, फॉरच्यून कस्तूरी, सागर हाइट्स, पर्श विला, भाभा कॉलेज, सागर पर्ल, ईडन पार्क, गगन सोसाइटी, फॉरच्यून डिवाइन सिटी, बागली रोड, क्रिस्टल ग्रीन, बागवान परिसर एवं आसपास के क्षेत्र।

दो साल से मायके में है पीड़िता

धर्म परिवर्तन नहीं करने वाली पत्नी से बच्ची छीनना चाहता है पति

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को पति मायके में आकर प्रताड़ित कर रहा है। इतना ही नहीं पत्नी के कब्जे से पति बच्ची को भी छीनना चाहता है। शादी के 11 साल बाद तक जब महिला ने अपना धर्म बदलकर मुस्लिम धर्म नहीं अपनाया तो पति ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया था। पीड़िता दो साल से भोपाल स्थित मायके में रह रही है। अब पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति

माजिद के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 13 साल पहले महिला के साथ माजिद नाम के युवक ने प्रेम-विवाह किया था। शादी के बाद सब कुछ ठीक था।

लेकिन कुछ साल बीतने के बाद माजिद पीड़िता पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने लगा। करीब दो साल पहले जब पीड़िता ने धर्म परिवर्तन करने के लिए पूरी तरह से मना कर दिया तो माजिद ने अपनी बहन तबस्सुम के साथ मिलकर उसे जमकर पीटा और घर से निकाल दिया। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है और 24 मार्च को भोपाल जिला अदालत में गवाही है।

समझौता करने के लिए बना रहा दबाव

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ सप्ताह से माजिद अब आए दिन मेरे मायके आता है और हत्या करने की धमकी देता है। माजिद दबाव बनाता है कि फिर से मेरे साथ रहो, धर्म परिवर्तन कर लो नहीं तो जिंदा नहीं बचोगी। आरोपी आए दिन उसकी मासूम बच्ची को भी साथ ले जाने का प्रयास करता है। इतना ही नहीं माजिद धर्म परिवर्तन नहीं करने पर घर से निकालने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने संबंधी कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण में समझौता करने के लिए भी दबाव बना रहा है। पुलिस ने धमकी, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी यूपीएस चौहान ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

सुनिता विलियम्स की धरती पर वापसी अद्भुत क्षण

भारत मूल की बेटी अंतरिक्ष से सकुशल घर लौटी। ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर वे लौटी, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है?

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स धरती पर लौट आईं। 9 महीने 14 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर वापस आ गए। बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह 3 बजकर 27 मिनट पर स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तट के पास समुद्र में उतरा। लैंडिंग के बाद कैप्सूल को रिकवरी वेसल पर चढ़ाया गया। इसके बाद कैप्सूल को धोया गया। कैप्सूल खोलने के बाद सबसे पहले अलेक्जेंडर गोरबुनोव बाहर आए फिर सुनीता विलियम्स बाहर आईं। जैसे ही सुनीता विलियम्स बाहर आईं। उनके चेहरे पर मुस्कान थीं। धरती पर वापस आते ही उन्होंने ग्रैविटी को महसूस किया। कैप्सूल से बाहर आने के बाद रिकवरी टीम के दो सदस्यों ने उन्हें उठाया और स्ट्रेचर पर बैठाया। गौरतलब है कि उन्होंने खड़े होने की कोशिश की लेकिन, ग्रैविटी पर नियंत्रण न बना पाने की वजह से वो लड़खड़ा गईं। इसके बाद सुनीता विलियम्स का मेडिकल चेकअप और अन्य प्रक्रियाओं को किया गया। डॉक्टर ने बताया कि वो बिलकुल स्वस्थ हैं। दरअसल वह क्षण बेहद भावुक, खुशनुमा, उत्साहपूर्ण और गौरवान्वित करने वाला था। भारत मूल की बेटी अंतरिक्ष से सकुशल घर लौटी। ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर वे लौटी, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है? शून्य गुरुत्वाकर्षण में सहज जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन उस दुनिया में भी यह 'अंतरिक्ष बेटी' 286 दिन रही, चहलकदमी का चुनौतीपूर्ण काम किया, अंतरिक्ष में 'माता तुलसी' का पवित्र पौधा भी रोप दिया। बेशक सुनीता का जन्म अमरीका में हुआ, लेकिन उनके पिता दीपक पंड्या की पारिवारिक जड़ें भारत के गुजरात में मौजूद हैं, लिहाजा सुनीता के पैतृक गांव झूलासण (मेहसाणा जिला) में 'अखंड ज्योति' भी बीते 9 माह से प्रज्वलित रही। बेटी के प्रत्येक शुभ और सकारात्मक पल के लिए प्रार्थनाएं की गईं। अंतत- आस्था-विश्वास भी जीते और अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरों की भी विजय हुई। वैसे सुनीता विलियम्स तीन बार अंतरिक्ष में जा चुकी हैं और कुल 609 दिन वहां वास कर चुकी हैं। उनसे आगे अमरीका की ही पेगी विटसन हैं, जो 675 दिन अंतरिक्ष में रहीं। यह विश्व कीर्तिमान रूस के ओलेग कोनोनेन्को के नाम दर्ज है, जो पांच बार अंतरिक्ष-यात्रा कर चुके हैं और कुल 1110 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। कुछ भी हो, ऐसे प्रयास अलौकिक और अति मानवीय लगते हैं। इस बार सुनीता ने जितना समय अंतरिक्ष में बिताया, उस दौरान उन्होंने करीब 4500 बार पृथ्वी की परिक्रमा की। गति 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा रही और उस दौरान एक दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखे। वहां एक दिन मात्र 19 मिनट का होता है। कितना रोमांचक और अदुभुत अनुभव रहा होगा! जब स्पेस एक्स के डै:गन कैप्सूल ने बुधवार, 19 मार्च की लगभग भोर में 3.27 बजे समंदर में लैंडिंग की, तो सोचिए कितनी दुआएं फलितार्थ हुई होंगी! अंतरिक्ष यात्रियों की सकुशल घर-वापसी ने एक नया इतिहास लिख दिया। इसी के साथ अंतरिक्ष में निजी कंपनी का एक और प्रयास कामयाब रहा। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी के कैप्सूल 44 बार अंतरिक्ष स्टेशन तक का सफर तय कर चुके हैं। उन्होंने कुल 49 मिशन सफलतापूर्वक सम्पन्न किए हैं। कितनी असीम, अनंत उपलब्धि है यह? जब नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की कुशल घर-वापसी में सफल नहीं हो पा रहा था, तो स्पेस एक्स का मिशन भेजा गया और हमारे जांबाज अंतरिक्ष-यात्री सकुशल घर लौट सके। बहरहाल अब सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को फिलहाल नासा के पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा। इस बार जो डेटा जमा किया गया है, वह निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। बहरहाल हम आसमानी कोशिशों को दुआ देते हैं और सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

बेहतरी की ओर बढ़ रहे भारत-चीन संबंध

भारत और चीन की ओर से एक-दूसरे के लिए जिस तरह की हाल के दिनों में बयानबाजी हुई है, उससे लगता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतरी की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसका हालिया मुलाहिजा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर एवं पाडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब तीन घंटे के इंटरव्यू में चीन की प्रशंसा की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में भी चीन को लेकर सकारात्मक संदेश दिए थे। इसके बाद अमेरिकी पॉडकास्टर से की गई बातचीत ने उन्होंने चीन और भारत के रिश्तों को एक तरह से नया आयाम दिया है।

भारत और चीन की ओर से एक-दूसरे के लिए जिस तरह की हाल के दिनों में बयानबाजी हुई है, उससे लगता है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतरी की ओर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसका हालिया मुलाहिजा तब हुआ, जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर एवं पाडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब तीन घंटे के इंटरव्यू में चीन की प्रशंसा की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिकी पत्रिका न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में भी चीन को लेकर सकारात्मक संदेश दिए थे। इसके बाद अमेरिकी पॉडकास्टर से की गई बातचीत ने उन्होंने चीन और भारत के रिश्तों को एक तरह से नया आयाम दिया है। अच्छे और बेहतर पड़ोसी होने के नाते चीन का इस पर खुश होना स्वाभाविक था। चीन की ओर से आई प्रतिक्रिया भी जबरदस्त रही। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग का यह कहना कि चीनी ड्रैगन और भारतीय हाथी के सामंजस्यपूर्ण नृत?य की प्रतीक्षा चीन के उत्साह का ही वर्णन करता है।

अमेरिकी पाडकास्टर को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उसे देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा है कि भारत और चीन के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। दोनों देशों की संस्कृतियां और सभ्यताएं प्राचीन हैं। आधुनिक दुनिया में भी, वे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि आप ऐतिहासिक अभिलेखों को देखें, तो सदियों से भारत और चीन ने एक-दूसरे से सीखा है। साथ मिलकर, उन्होंने हमेशा किसी न किसी तरह से वैश्विक भलाई में योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी चीन और भारत के रिश्ते बेहतर बनाने की दिशा में पहला कदम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूसी शहर कजान में पिछले साल की मुलाकात के बाद भारत और चीन के रिश्ते लगातार बेहतरी की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी भारत को लेकर अपनी बेहतर राय जाहिर की थी। जिसका भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्वागत किया था। इस कड़ी में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की ताजा टिप्पणी ने एक तरह से भारत-चीन के रिश्तों को बेहतरी की ओर तेजी से बढ़ा दिया है। मोदी ने भारत- चीन के आपसी और गहरे रिश्तों और ऐतिहासिक संबंधों की भी इस पाडकास्ट में चर्चा की। वैसे चीन और भारत के रिश्तों की एक बड़ी और ऐतिहासिक कड़ी महात्मा गौतम बुद्ध हैं। यह ऐसी कड़ी है, जिसकी बुनियाद पर दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर बनाया जा सकता है।

भारत-चीन संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में नई दिल्ली यह समझाने की कोशिश करती रही है कि जब तक दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद और उससे उपजा तनाव खत्म नहीं हो जाता, तब तक संबंध बेहतर नहीं हो सकते हैं। लेकिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले दिनों जब कहा कि एशिया की दोनों आर्थिक महाशक्तियों को अपने विवाद भुलाकर साथ आना चाहिए, तब से हालात बदलने लगे हैं। वैसे भी जिस तरह ट्रंप लगातार चीन को घेरने की कोशिश कर रहे हैं और आयात पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उससे चीन ही नहीं भारत को परेशान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार चीन और भारत से आयातित होने वाली चीजों पर टैरिफ बढ़ाने की बात कर रहे हैं। इसका निश्चित तौर पर दोनों देशों की आर्थिकी पर असर पड़ सकता है। अगर दोनों देश कम से कम आर्थिक मोर्चे पर साथ आने को तैयार दिखें तो अमेरिका की धमकियां और उसके कदम बेअसर साबित हो सकते हैं। वैसे दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते जिस तरह बढ़ते रहे हैं, दोनों के बीच जारी सीमाई तनाव के बावजूद आपसी व्यापारिक संबंध मजबूत बने हुए हैं, वह बेहतर होते रिश्तों की ही कहानी कह रहे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया से जाहिर है कि दोनों देशों के बीच सद्भावना की नई इबारत लिखी जा रही है। अगर यह स्थिति और बेहतर होती है तो निश्चित है कि भारत में और अधिक चीनी निवेश का रास्ता खुल सकता है । इसका फायदा भारत को तो मिलेगा ही, चीन को भी होगा। वैसे शंघाई सहयोग संगठन के साथ ही एशियाई विकास बैंक और ब्रिक्स जैसे संगठनों में नई दिल्ली और बीजिंग साथ-साथ काम कर ही रहे हैं। भारत आतंकवाद का मुकाबला करता रहा है, वह आतंकवाद का विरोधी भी है, लेकिन उसका मुकाबला करने के लिए बहुपक्षवादी वैचारिकी को बढ़ावा देने का वह विरोधी रही है। इस मामले में चीन की भी सोच कमोबेश वैसी ही है। इसलिए माना जा सकता है कि दोनों देश इन तथ्यों के आलोक में अपने रिश्तों को देखने लगे हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया, इसी सोच का परिणाम नजर आती है।

पश्चिमी दुनिया के दिग्गज भी मानते हैं कि दोनों एशियाई दिग्गज देशों चीन और भारत के बीच स्थायी शांति के परिणाम दूरगामी होंगे। इससे कुछ हद तक वाशिंगटन चिंतित हो सकता है। लेकिन हाल के दिनों में भारत ने अमेरिका को लेकर जो संतुलित नीति अख्तियार की है, उससे उम्मीद है कि वाशिंगटन इस नई पहल की राह में बड़ी बाधा नहीं बन सकता। दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारनी है, गरीबी का समूल नाश करना है और शांति और स्थायीत्व की दिशा में आगे बढ़ना है तो तय है कि दोनों देश विवादित मुद्दों को परे रखते हुए अपने आर्थिक और ऐतिहासिक रिश्तों को बेहतर बनाते हुए आगे बढ़ाते रहें। इससे एशिया की दुनिया और खूबसूरत हो सकती है।

दरअसल लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मीटिंग के बाद हालात सुधरे। हमें सीमा पर सामान्य हालात वापस लाने में मदद मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले तनावों के बावजूद चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि यह सच है कि हमारे बीच सीमा विवाद है। और 2020 में सीमा पर हुई घटनाओं ने हमारे देशों के बीच काफी तनाव पैदा किया। हालांकि, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हाल में बैठक के बाद, हमने सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल की है। उन्होंने कहा कि हम अब 2020 से पहले की स्थिति को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, विश्वास, उत्साह और ऊर्जा वापस आ जाएगी। लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा, क्योंकि पांच साल का अंतराल हो गया है। हमारा सहयोग न केवल फायदेमंद है, बल्कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए भी आवश्यक है। चूंकि 21वीं सदी एशिया की सदी है, इसलिए हम चाहते हैं कि भारत और चीन स्वस्थ और स्वाभाविक तरीके से प्रतिस्पर्धा करें। प्रतिस्पर्धा कोई बुरी चीज नहीं है, लेकिन इसे कभी भी संघर्ष में नहीं बदलना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने माना कि पड़ोसी देशों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक ??कि एक परिवार के भीतर भी, सब कुछ हमेशा सही नहीं होता। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि ये मतभेद विवादों में न बदल जाएं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि ये मतभेद विवादों में न बदल जाएं। हम इसी दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। मतभेद के बजाय, हम संवाद पर जोर देते हैं, क्योंकि केवल संवाद के माध्यम से ही हम एक स्थिर, सहयोगात्मक संबंध बना सकते हैं जो दोनों देशों के बेहद जरूरी है।

बता दें कि जनवरी में लद्दाख में सैन्य तनाव कम होने से भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत-चीन ने अपने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का निर्णय लिया है। असल में भारत-चीन द्वारा 2024 में एलएसी से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनने के बाद से दोनों देशों के बीच लगातार अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने की दिशा में उच्च स्तरीय बातचीत चल रही थी, जिसका सकारात्मक परिणाम जनवरी 2025 में सामने आया।

सच तो यह है कि भारत-चीन संबंधों का सामान्य होना न केवल भारत के लिए बल्कि चीन के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत चीन का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। बिना शर्त विकासशील व गरीब देशों की समय-समय पर मदद से वैश्विक स्तर पर भारत की साख और विश्वसनीयता बढ़ी है। संभवत- इस कारण भी चीन अपना रुख बदलने पर बाध्य हुआ है। हालांकि चीन की विस्तारवादी नीतियों को देखते हुए भारत को पूरी तरह चौकन्ना रहने और चीन के हरेक कदम पर निगरानी रखने की आवश्यकता है।

न्यूजीलैंड से बढ़ती नजदीकी के मायने

उभर रही नई विश्व व्यवस्था में भारत और न्यूजीलैंड का एक-दूसरे के करीब आना खासा उल्लेखनीय है। सोमवार को नई दिल्ली में दोनों देशों के शासनाध्यक्षों की मुलाकात और रक्षा, खाद्य-प्रसंस्करण, दवा, अक्षय ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग बढ़ाने के समझौते संकेत हैं कि दोनों मुल्क विभिन्न अहम क्षेत्रों में संबंधों को नई ऊंचाई देने को उत्सुक हैं। यह अनायास नहीं है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन 20 मार्च तक भारत में हैं और उनका यह दौरा कितना अहम है, यह इसी से पता चलता है कि नई दिल्ली व वेलिंगटन के बीच संबंध भले सदैव सौहार्दपूर्ण रहे हैं, लेकिन उनमें विशेष घनिष्ठता कभी नहीं रही। शीत युद्ध के दौरान भी जहां न्यूजीलैंड अमेरिकी खेमे का हिस्सा था, भारत गुट-निरपेक्षता की राह चल रहा था। न्यूजीलैंड चूंकि प्रशांत महासागर में स्थित है, इसलिए उसका ध्यान श्वेत देशों या फिर महासागरीय द्वीपों के साथ संबंधों की बेहतरी पर रहा है। भारत ने भी राजनीतिक व राजनयिक नजरिये से न्यूजीलैंड में कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई थी। मगर बदले वैश्विक हालात ने दोनों को नजदीक ला दिया है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा क्रिस्टोफर लक्सन को द्विपक्षीय दौरे का निमंत्रण देना राजनयिक दृष्टि से काफी सराहा गया है। 17 मार्च को लक्सन व मोदी की द्विपक्षीय बातचीत हुई और बाद में लक्सन ने ह्यरायसीना डॉयलॉगह्न का उद्घाटन भी किया। यहां अपने भाषण में उन्होंने भारत-न्यूजीलैंड के बीच राजनीतिक बातचीत बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रक्षा संस्थानों के संबंध घनिष्ठ होने चाहिए और आर्थिक व कारोबारी रिश्ते को भी कहीं अधिक मजबूत बनाया जाना चाहिए। अपने भाषण में उन्होंने न्यूजीलैंड में रहने वाले अप्रवासी भारतीयों की भी प्रशंसा की और कहा कि वे न्यूजीलैंड की आबादी के छह प्रतिशत हैं एवं वहां के कई क्षेत्रों में अपनी अहम भागीदारी निभा रहे हैं। उल्लेखनीय यह भी है कि इससे एक दिन पहले ही दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की थी। वित्त वर्ष 2023-24 में दोनों राष्ट्रों ने 1.7 अरब डॉलर का कारोबार किया है।

लक्सन के इस दौरे को राजनयिक और सामरिक, दोनों पहलुओं से देखना चाहिए। दोनों नेताओं की बातचीत के बाद जो संयुक्त बयान जारी हुआ है, उसमें यह स्पष्ट है कि भारत और न्यूजीलैंड अपने राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संबंध पहले से अधिक मजबूत बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड का एक मकसद अधिक से अधिक भारतीय छात्रों को अपने शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ना भी है। ऐसे में, आने वाले दिनों में नजर इस बात पर बनी रहेगी कि दोनों प्रधानमंत्रियों की इन इच्छाओं को दोनों देशों के नौकरशाह और उद्योगपति कितना आगे बढ़ा पाते हैं? व्यापार क्षेत्र पर भी विशेष नजर होगी, क्योंकि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की बात कह रहे हैं।

इस द्विपक्षीय संबंध का बड़ा असर हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर पड़ सकता है। न्यूजीलैंड अमेरिका का मित्र देश है, लेकिन वह क्वाड (जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत और अमेरिका का समूह) का हिस्सा नहीं है। असल में, वह हमेशा महाशक्ति देश के साये तले ही रहा है, जिसका असर भारत-न्यूजीलैंड रिश्ते पर भी पड़ा है। अब लक्सन चाहते हैं कि वह अपने देश की वैश्विक भूमिका बढ़ाएं। सामरिक मामलों को लेकर उनका यही मत है कि भारत व न्यूजीलैंड को अपने रिश्ते रक्षा के क्षेत्र में बढ़ाने चाहिए और दोनों देश के बीच, खासतौर से नौसेना में सहयोग बढ़ना चाहिए। न मोदी और न ही लक्सन ने चीन का जिक्र किया, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, और जिस तरह क्वाड के देश बीजिंग के बढ़ते प्रभाव से चिंतित हैं, न्यूजीलैंड की पेशानी पर भी बल होंगे। इसीलिए, संयुक्त बयान में जोर देकर यह दोहराया गया कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को समग्रता में खुला रखना चाहिए और किसी देश को यह हक नहीं कि वह इसका स्वरूप बदलने की कोशिश करे। हालांकि, यह कहना तो आसान है, पर चीन का बढ़ता दखल कोई छिपा रहस्य नहीं है। लिहाजा, वे तमाम देश, जो हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती गतिविधियों से चिंतित हैं, उनको यह मानना ही होगा कि इस पूरे क्षेत्र में बीजिंग का दबाव बढ़ रहा है। न्यूजीलैंड यह जानता है कि प्रशांत महासागर के छोटे-छोटे द्वीपीय देशों को आर्थिक मदद देकर और वहां अपनी परियोजनाएं चलाकर चीन अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। बेशक, कई देश चीन की इस विस्तारवादी नीति से नाराज हैं, लेकिन उनके पास इतने संसाधन नहीं हैं कि वे बीजिंग की इस कथित सहायता को नजरंदाज कर सकें। लिहाजा, क्वाड के देशों को ही आगे आना होगा और इनकी मदद करनी होगी। इसमें न्यूजीलैंड भी अपना योगदान दे सकता है। भारत-न्यूजीलैंड नए रिश्ते को इस तरह भी देखा जा सकता है कि भारत के संबंध अब उन देशों से मजबूत हो रहे हैं, जो अमेरिका का नेतृत्व स्वीकार करते हैं। यह अमेरिका में बदल रहे सियासी घटनाक्रम का नतीजा भी हो सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसी नीतियां अपना रहे हैं, जिनसे पूरी दुनिया में हलचल मची हुई है और अमेरिका के मित्र देशों के सामने यह सवाल खड़ा हो गया है कि उनको किस हद तक अमेरिकी सहयोग पर निर्भर रहना चाहिए? यूरोपीय देशों की चिंता ट्रंप की यूक्रेन-युद्ध नीति की वजह से सबसे अधिक बढ़ी है। हालांकि, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देश चिंतित तो हैं, पर वे यह भी जानते हैं कि यदि ट्रंप ने अपनी चीन-नीति में ढील दी, तो हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में अमेरिका की साख पर उसका बुरा असर पड़ेगा। इसलिए शायद ही अमेरिका अभी अतिवादी कदम उठाएगा।

27,500 बेटियों के 'अप्पा': केपी रामास्वामी

कोयंबटूर, जब कॉरपोरेट जगत में मुनाफे और लागत-कटौती की होड़ लगी हो, तब कोई उद्योगपति अगर अपने कर्मचारियों की शिक्षा को प्राथमिकता दे, तो यह किसी मिसाल से कम नहीं। केपी रामास्वामी, KPR मिल्स के मालिक, ने अपने कर्मचारियों को सिर्फ वेतन ही नहीं, बल्कि एक भविष्य देने का बीड़ा उठाया है। वे अब तक 27,500 से अधिक महिलाओं की जिंदगी संवार चुके हैं और उन्हें अप्पा यानी पिता समान सम्मान मिलता है।

यह पहल तब शुरू हुई जब एक महिला कर्मचारी ने उनसे कहा— अप्पा, मैं पढ़ना चाहती हूं। गरीबी की वजह से मेरे माता-पिता ने स्कूल छुड़वा दिया, लेकिन मैं आगे बढ़ना चाहती हूं। इस एक वाक्य ने रामास्वामी को झकझोर दिया और उन्होंने तय कर लिया कि उनके मिल में काम करने वाली कोई भी महिला शिक्षा से वंचित नहीं रहेगी।

इसके बाद जो हुआ, वह भारत में कॉर्पोरेट नेतृत्व और सामाजिक बदलाव की अनूठी कहानी बन गई। केपी रामास्वामी ने मिल के अंदर ही एक संपूर्ण शिक्षा प्रणाली विकसित कर दी। यहां आठ घंटे की शिफ्ट के बाद चार घंटे की कक्षाएं चलाई जाती हैं, जहां महिलाएं 10वीं, 12वीं, स्नातक और परास्नातक की डिग्री हासिल कर सकती हैं। इसके लिए बाकायदा कक्षाएं, शिक्षक, प्रिंसिपल और यहां तक कि योग पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराए गए। सबसे अहम बात यह है कि यह शिक्षा पूरी तरह नि:शुल्क है और किसी भी तरह की शर्तों से मुक्त है।

इस पहल का असर अब साफ दिख रहा है। अब तक 24,536 महिलाओं ने यहां से अपनी पढ़ाई पूरी की है और वे नर्स, शिक्षक, पुलिस अधिकारी जैसी प्रतिष्ठित नौकरियों में कार्यरत हैं। हाल ही में तमिलनाडु ओपन यूनिवर्सिटी के 20 स्वर्ण पदक विजेता भी इसी पहल का हिस्सा रहे।

अक्सर कंपनियां इस डर से अपने कर्मचारियों को ज्यादा अवसर देने से बचती हैं कि वे कहीं दूसरी जगह न चले जाएं। लेकिन केपी रामास्वामी इस मानसिकता को खारिज करते हुए कहते हैं— मैं उन्हें मिल में बांधकर नहीं रखना चाहता। वे गरीबी के कारण यहां आई हैं, न कि अपनी मर्जी से। मेरा काम उन्हें भविष्य देना है, पिंजरा नहीं। यही वजह है कि उनकी मिल से पढ़कर निकली महिलाएं आगे बढ़ रही हैं और अपने गांवों से अन्य लड़कियों को भी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

हाल ही में आयोजित दीक्षांत समारोह में जब 350 महिलाओं को डिग्री प्रदान की गई, तब केपी रामास्वामी ने उपस्थित लोगों से एक अनूठी अपील की— अगर आप या आपके परिचित इन्हें नौकरी दे सकते हैं, तो इससे और भी लड़कियों को पढ़ाई के लिए प्रेरणा मिलेगी। एक बहु-करोड़पति उद्योगपति जब व्यापार की बजाय अपने कर्मचारियों के लिए नौकरी मांगता है, तो यह साबित करता है कि वह केवल एक व्यवसायी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माता है।

यह कहानी सिर्फ KPR मिल्स की नहीं, बल्कि नेतृत्व, नैतिकता और मानव संसाधन विकास की सच्ची मिसाल है। बिजनेस स्कूलों को इसे पढ़ाना चाहिए, ।क्रपेशेवरों को इससे सीखना चाहिए और दुनिया को इसे जानना चाहिए।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

गढ़वाल समाज का युवक-युवती सम्मेलन रविवार को

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, अखिल भारतीय गढ़ेवाल समाज का युवक-युवती परिचय एवं सामाजिक स्नेह सम्मेलन आगामी 23 मार्च को कलमना नागपुर में आयोजित किया जा रहा है। महाराष्ट्र राज्य गढ़ेवाल समाज के तत्वाधान में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन नागपुर के कलमना में रखा गया है। सम्मेलन दो सत्रों में आयोजित किया जा रहा है। प्रथम सत्र का सम्मेलन उद्घाटन समारोह के रुप में मनाया जाएगा जिसके उद्घाटक अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के अध्यक्ष रविन्द्र नागेश्वर होंगे जबकि द्वितीय सत्र के उद्घाटक फग्गनसिंह कुलस्ते पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं अजा-अजजा राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष होंगे। सम्मेलन अन्तर्गत फागोत्सव स्पर्धा,सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिला प्रकोष्ठ द्वारा खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवक-युवती परिचय, सामाजिक भवन हेतु भूमि खरीदी दान की घोषणा, समाज के उच्च पदस्थ सेवा अधिकारी एवं कर्मियों का सम्मान एवं समाज में उनके योगदान पर विचार, होली उत्सव एवं रंग गुलाल उत्सव आदि होंगे। कार्यक्रम की समाप्ति महाराष्ट्र राज्य गढ़ेवाल

महाराष्ट्र राज्य गढ़ेवाल समाज
युवा-युवती परिचय एवं सामाजिक स्नेह सम्मेलन
समापन अभिनन्दन

समाज एवं अखिल भारतीय गढ़ेवाल समाज पदाधिकारियों की विकास यात्रा की संगोष्ठी से होगी। इस सम्मेलन में स्वजातीय बन्धुओं की उपस्थिति की अपील महाराष्ट्र राज्य गढ़ेवाल समाज के अध्यक्ष प्रकाश आर. अर्जुनवार सहित अखिल भारतीय गढ़वाल समाज ब्लॉक लालबर्रा के मंडल अध्यक्षों क्रमशः संजय बेले गर्रा,डॉ. सदाशिव भारद्वाज कनकी, भूनेन्द्र सिलेकर बोरी, कन्हैयालाल धानेश्वर नगपुरा तथा श्रीमती मीना कुरुमजी लालबर्रा आदि ने की है।

पीएचई एसडीओ की निष्क्रियता से शोभा की सुपारी बनी बिठली की पानी टंकी

औल्याकन्हार सरपंच ने किया नल-जल योजना एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के अंतर्गत ग्राम बिठली के बहुसंख्यक नागरिकों को इन दिनों पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। दो वर्ष पूर्व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यहां पानी की टंकी का निर्माण किया गया था,जिसकी डेंटिंग-पेंटिंग भी पूरी हो चुकी है। बावजूद इसके,पीएचई विभाग के एसडीओ विजय तिवारी की लापरवाही या ठेकेदार के साथ मिलीभगत के कारण यह योजना अभी तक पूरी तरह संचालित नहीं हो सकी है। पानी की टंकी बनकर तैयार है, लेकिन छिंदलई वैनगंगा नदी इंटक वॉल की पाइप लाइन को अभी तक टंकी से नहीं जोड़ा गया है। ठेकेदार की लापरवाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टंकी से नल-जल योजना को जोड़ने के लिए आवश्यक पाइप कई दिनों से गांव में बिखरे पड़े हैं, लेकिन अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ। इससे ग्रामीणों को पीने के पानी की गंभीर समस्या हो रही है।

सरपंच व पंचायत प्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण गांव में नल-जल योजना के ठप होने की शिकायतें मिलने के बाद ग्राम पंचायत औल्याकन्हार की सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, उपसरपंच अंजीरा पाटिल, सचिव संतलाल पन्द्रें व अन्य पंचगणों ने बुधवार को ग्राम बिठली में घर-घर जाकर नल-जल योजना का निरीक्षण किया। आकस्मिक विवाद से बचने के लिए निरीक्षण की पूर्व सूचना तहसीलदार और थाना प्रभारी लालबर्रा को दी गई तथा ग्राम कोटवार द्वारा मुनादी भी करवाई गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई घरों में लोग पानी अधिक मात्रा में खींचने के लिए मोटर पंप का उपयोग कर रहे थे, जिससे कुछ लोगों को तो भरपूर पानी मिल रहा था, लेकिन अधिकतर घरों में पानी की भारी किल्लत बनी हुई थी। इसके अतिरिक्त,कई नल कनेक्शनों में टोंटी नहीं लगी थी,जिससे जल बर्बाद हो रहा था। वहीं, कुछ नल कनेक्शन निजी खेतों एवं बाड़ी की सिंचाई के लिए उपयोग किए जा रहे थे, जिससे आगे के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था।

जल उपयोग में अनियमितता पर चेतावनी ग्राम सरपंच एवं पंचायत

प्रतिनिधियों ने निर्देश दिया कि जिन घरों में मोटर कनेक्शन लगे हैं, वे तीन दिनों के भीतर मोटर हटा लें और नलों में टोंटी लगवाएं। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया या दोबारा मोटर लगी पाई गई, तो संबंधित जल कनेक्शन विच्छेदित कर दिया जाएगा एवं मोटर जब्त कर ली जाएगी। इस दौरान पंचायत द्वारा कई टोंटीविहीन नलों में टोंटी भी लगवाई गई।

एसडीओ और ठेकेदार की मिलीभगत से बढ़ी जल संकट की समस्या गांव में पानी की गंभीर समस्या के लिए पीएचई विभाग के एसडीओ विजय तिवारी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार और एसडीओ के बीच मिलीभगत के कारण कार्य में अनावश्यक देरी हो रही है। टंकी निर्माण के दो वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है, जिससे स्पष्ट होता है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही ग्रामीणों की परेशानी का कारण बन रही है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि विभाग द्वारा कार्य की गुणवत्ता की कोई निगरानी नहीं की जा रही, जिससे भविष्य में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। पंचायत प्रतिनिधियों ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों को शिकायत भेजने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विद्यालय निरीक्षण में बच्चे नदारद पाए गए ग्राम बिठली के अपने दौरे के दौरान सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया। विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक कुल 47 विद्यार्थियों के पंजीकृत होने के बावजूद निरीक्षण के दौरान मात्र 7 विद्यार्थी ही उपस्थित पाए गए, जबकि उपस्थिति रजिस्टर में 16 विद्यार्थियों के उपस्थित होने का उल्लेख था। इस पर सरपंच ने शिक्षकों को विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बच्चों को चावल, भटे की सब्जी और दाल परोसी गई थी। विद्यालय में पदस्थ तीनों शिक्षक धनीराम ठाकरे, हेमराज कातुरे एवं सुनीता ठाकरे उपस्थित पाए गए। ग्राम बिठली में पानी की समस्या और विद्यालय में विद्यार्थियों की अनियमित उपस्थिति पर पंचायत जल्द ही उच्च अधिकारियों को जानकारी देकर आवश्यक कार्रवाई करने की योजना बना रही है।

अनूपपुर में बिना प्रमाणपत्र के चल रहे क्लीनिक

झोलाछाप डॉक्टरों कर रहे है स्वास्थ्य के नाम पर खिलवाड़

सुशील सोनी। सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर जिले में हरा पर्दा लगाकर किया जा रहा है लोगों की जान से खिलवाड़ यह विनम्र है कि मेरे कई बार फोन करने एवं लगातार खबरें अलग-अलग जगह की डॉक्टर जो की डॉक्टर नहीं है उसके लिए पैसा ही महत्वपूर्ण है यह लोग एक हर पर्दा लगाकर लोगों को यह बताते हैं कि मैं डॉक्टर हूं जैसे की एक दो फर्जी डिग्री यह किसी और के नाम का डिप्लोमा मडवा कर दुकान में टांग लेंगे और क्लिनिक चालू आप अपना इलाज बताइए हम इलाज करेंगे और आपसे हजार से लेकर 500 से कम इनकी दवाई की फीस नहीं होती है कुछ तो ऐसे भी है जिनकी तीन-तीन या चार जगह क्लीनिक है अभी हाल में कोतमा निगबनी रोड अस्पताल के पास एक नई क्लिनिक खुली है जिसके पास कोई प्रमाण पत्र नहीं है इनका कहना है कि आपको जहां शिकायत करना हो करें यही हाल चोलना पौड़ी चौड़ी मैं तो डॉक्टरों की भरमार है जो झोला लेकर सुबह से रात तक घर-घर जाकर इलाज करते हैं इस प्रकार बरतुराई में कई डॉक्टर है जिनकी दवाई दुकान भी है अंदर अस्पताल बनाए हुए हैं जिन पर कोई कार्रवाई नहीं होती पूरा जिला घूमने पर काम से कम 200 से 300 ऐसे झोलाछाप डॉक्टर हैं जो लोगों को लूटने का काम कर रहे हैं अधिकारियों से बात करने पर यह बताया जाता है कि हमारी टीम गठित हो रही है जांच करेंगे कोई दवाई दुकान भी ऐसी है जहां पर नशीली दवाइयां बची जाती है यदि शासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है पिछले से यह cmhoद्वारा जिन दुकानों को सील कराया गया था वह दुकान नए ष्द्धद्धश फिर खुल के चलने लगी है नए सीएमएचओ महोदय के बैठने पर कुछ नई दुकान है और खुल गई है कलेक्टर महोदय के विशेष ध्यान देते हुए जिनके पास कोई डिग्री डिप्लोमा नहीं है ऐसी दुकानों को बंद करने का कष्ट करें।

दहशतगर्दीः टक्कर मारी, कुचली मीटर सायकिल दूर तक घसीटी

पशुतस्कर पर कार्यवाही को गए रेंजर बचे, टली बड़ी दुर्घटना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, इन दिनों जिले में एमपी पुलिस का काम वन विभाग कर रही है थाने के सामने से पशु से भरे वाहन आए दिन निकलते हैं लेकिन इसकी जानकारी पुलिस को नहीं थी, वन विभाग ने कार्यवाही की तो उनकी जान पर बन आई, एक साथ पांच पिकअप वाहनों से हो रही पशु तस्करी को रोकने के प्रयास करते रेंजर के वाहन को ठोकने के बाद पिकअप ने बीटगार्ड की बाइक को घसीटकर खेतों तक ले गए। कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने तीन वाहन पकड़ लिए।

वन संरक्षक अजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवं डीएफओ श्रद्धा पन्द्रे के मार्गदर्शन में लकड़ी के अवैध परिवहन को पकडने् वन परिक्षेत्राधिकारी जैतपुर द्वारा स्टाफ की दो टीम बनाकर गश्ती कराई जा रही थी। इसी दौरान रात्रि 1 बजे कई पिकअप वाहन खाम्हीडोल की तरफ से आते दिखे। उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो एक वाहन चालक ने रेंजर की गाड़ी पर ठोकर मारकर सभी वाहन भाग निकले। मामले की सूचना पर दूसरी टीम द्वारा भठिया में सभी वाहनों को रोकने का प्रयास किया गया किन्तु मुड़कर वापस भागने लगे। पीछा कर 3 वाहनों को पकड़ लिया गया। दो वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गए। एक वाहन चालक द्वारा सड़क किनारे खड़ी बीटगार्ड की मोटर सायकल को ठोकर मारते हुए खेत तक घसीटा गया एवं वाहन लेकर भाग गया। अन्य दो वाहन भी फरार हो गए। पकड़े गये वाहनों में 18 पशु लोड पाए गए। वाहनों को जप्त कर पुलिस को सूचना दी गई एवं वाहन को पुलिस के सुपुर्द किया गया। कार्रवाई में जैतपुर रेंजर राहुल सिकरवार, परिक्षेत्र सहायक विनोद कुमार सोनी, हीरामणि वर्मा, बीटगार्ड मेलाराम बैगा, प्रकाश टांडिया, संजय यादव एवं अन्य की सराहनीय भूमिका रही। सूत्रों की मानें तो जैतपुर, झींकबिजुरी पशु तस्करी का प्रमुख अड्डा बना हुआ है। थाना के सामने से पशु तस्करी के वाहन बेखौफ होकर निकलते हैं, पुलिस की मिलीभगत का नतीजा है कि बड़ी कार्रवाई नहीं होती। बीती रात बड़े पैमाने पर हो रही तस्करी को वन विभाग ने नाकाम किया और स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी। वन विभाग ने पुलिस के सुपुर्द किया इसके बाद प्रकरण दर्ज किया गया।

शहडोल-अमरकंटक स्टेट हाईवे किनारे धधक उठी आग

3 घंटे की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, शहडोल अमरकंटक स्टेट हाईवे के बगल में स्थित एक मकान के किचन में आग लग गई, घटना बीती रात्रि की है। मार्ग में चल रहे वाहन चालक आग देखकर घबराया गए और वाहनों की रफ्तार रुक गई।घटना देख मामले की जानकारी पुलिस को दी गई,जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची धनपुरी पुलिस ने दमकल कर्मियों को मौके पर बुलवाया और कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया है। घटना धनपुरी थाना क्षेत्र की है, पुलिस इस मामले पर जांच कर रही है।

बताया गया कि शहडोल अमरकंटक स्टेट हाईवे के बगल में स्थित आशीष सोनी के मकान में यह आग लगी थी। आग किचन में लगी पुलिस को दिए गए बयान में आशीष सोनी ने बताया कि महिलाएं घर के किचन में खाना बनाकर फुर्सत हुई थी, तभी अचानक किचन में आग लग गई। किसी तरह से बच्चे महिलाएं एवं घर में मौजूद लोगों ने अपनी जान बचाकर घर से बाहर निकाल कर सड़क पर लोगों से मदद मानने लगें।

धनपुरी थाना क्षेत्र के शहडोल अमरकंटक स्टेट हाईवे पर आग लगने के बाद वाहनों की रफ्तार रुक गई, आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी, आग के शोले काफ़ी तेज़ उठ रहे थे।जिसे देख वाहन चालको ने अपने वाहनों को पहले ही रोक लिया। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी धनपुरी पुलिस को दी, जानकारी लगते ही धनपुरी पुलिस के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंच कड़ी मेहनत के बाद 3 घंटे के प्रयास से आग पर काबू पाया गया है।

प्रतिक्रिया....
घर के किचन में आग लगी थी, घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस टीम के साथ दमकल वाहन पहुंच कर आग पर काबू पाया गया, आग को बुझाने में लगभग 3 घंटे लग गए, कुछ देर के लिए मार्ग में आवाजाही रुकी थी। मामले पर आगजनी दर्ज किया है।
खेम सिंह, थाना प्रभारी थाना धनपुरी, शहडोल

जब घबराया चोर और बोरा छोड़कर हुआ फरार

अजय लालवानी की पान मसाला दुकान में सेंधमारी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, पान मसाला के गोदाम में चोरी की वारदात हुई है, जिसमें तीन बड़े बोरों में रखा पान मसाला एवं उसकी तंबाकू को दुकान में काम कर रहे एक कर्मचारी व उसके दो अन्य साथियों ने चोरी कर लिया है। चोरी कर ले जा रहे माल को दुकान मालिक के परिचित ने देख लिया । इसके बाद आरोपी पान मसाले से भरा बोर छोड़ कर भाग गए। शिकायत पुलिस के पास की गई है,पुलिस अब मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस ने इस मामले पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताझ शुरू कर दी है। घटना बुढार थाना क्षेत्र के वॉर्ड नंबर दो की है।

जानकारी के अनुसार बुढार थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 में स्थित अजय लालवानी की पान मसाला की दुकान और गोदाम स्थित है। शिकायतकर्ता अजय ने बताया कि उसके गोदाम में तीन बड़े बोरों में पान मसाला रखा हुआ था, एवं तीन बोरों में पान मसाला की तंबाकू थी। जिसे चोरों ने चोरी किया है, पीड़ित के अनुसार उसके दुकान में काम करने वाला एक कर्मचारी जब चोरी कर पान मसाले का बोरा ले जा रहा था, तभी पीड़ित के परिचित ने आरोपी को देख लिया, और उसे रोकने की कोशिश की, आरोपी घबरा गया और पान मसाले से भरा बोरा छोड़कर फरार हो गया।

सुबह जब दुकान खोली गई तो पता लगा कि उसकी दुकान में चोरी की वारदात हो गई है। जिसके बाद पीड़ित के परिचित ने उसे घटना की जानकारी दी। जानकारी के बाद पुलिस के पास मामले की शिकायत की गई। शिकायत पर पुलिस ने संदेही आरोपी युवक एवं उसके साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पीड़ित ने बताया कि लगभग एक लाख की चोरी की वारदात हुई है। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें दुकान का एक कर्मचारी भी दिखाई दे रहा है। बताया गया कि गोदाम में लगे दरवाजे का ताला तोड़कर आरोपी अंदर घुसे और मोटरसाइकिल से पान मसाले की बोरी चोरी कर ले जा रहे थे । तभी पीड़ित के परिचित ने आरोपी को देख लिया। और पुलिस से नामजद मामले की शिकायत की गई।

प्रतिक्रिया...
मामले की शिकायत आई है अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। **संजय जायसवाल, थाना प्रभारी थाना बुढार, शहड़ोल**

पीएम के पॉडकास्ट के बाद कमिश्नर देखा मिनी ब्राजील

खिलाड़ियों से की चर्चा किया ग्राम विचारपुर का निरीक्षण

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ
शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, आईजी शहडोल जोन अनुराग शर्मा, डीआईजी सुश्री सविता सुहाने एवं पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने आज जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम विचारपुर फुटबॉल मैदान का निरीक्षण किया तथा फुटबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात की तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साह वर्धन किया। साथ ही कमिश्नर ने फुटबॉल मैदान का निरीक्षण कर अन्य आवश्यक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर सहायक संचालक खेल लोक शिक्षण शिक्षा विभाग रईस अहमद, कोच लक्ष्मी, नरेश कुंड, अनिल सिंह, शंकर दहिया, सीताराम एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अजय कुमार सोंधिया एवं दयानंद सोंधिया सहित फुटबॉल खिलाड़ी उपस्थित थे।

औचक निरीक्षण में तहसील पाली पहुंची कमिश्नर

नायब तहसीलदार, तहसीलदार सहित प्रवाचक को कारण बताओ नोटिस

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आज उमरिया जिले के तहसील कार्यालय पाली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने राजस्व प्रकरणों के निरीक्षण के दौरान प्रवाचक शैलेन्द्र दुबे के द्वारा दस्तावेजों का संधारण, आर्डर शीट में कमी, प्रकरण की विस्तृत जानकारी न होने, समाधानकारक उत्तर न देना, समय पर प्रकरण को पंजीकृत न करना, पेशी की तारीख न दर्ज होने सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के

निराकरण में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर प्रभारी तहसीलदार पाली सनथ सिंह एवं वृत्त पाली के नायब तहसीलदार डी एस मरावी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा राजस्व न्यायालयों के हल्का पटवारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का निर्देश भी कलेक्टर उमरिया को दिए।

कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने लोक सेवा केंद्र का निरीक्षण भी किया तथा लोक सेवा में लंबित प्रकरणो को तत्काल सम्बंधित न्यायालय को भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकेश प्रताप सिंह, संभागीय सलाहकार उपेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

टायर फटा, 02 की मौत बमुश्किल निकले गए शव

मुर्गियाँ लोड पिकअप की ट्रक से टक्कर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, सोहागपुर थाना क्षेत्र के बघेल ढाबा के पास भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई एवम तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तेज रफ्तार पिकअप का टायर फट गया, जिसके बाद वह ट्रक से टकरागई, पिकअप में सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई तो चालक एवं ट्रक चालक तथा परिचालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना में पिकअप के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनो शवो को बाहर निकाला है। घटना शहडोल बुढार हाइवे में मंगलवार बुधवार दरमियानी रात की है । गौरतलब होकि बुढार से शहडोल की ओर पिकअप आ रही थी, जिसमें मुर्गियाँ लोड थी, तभी शहडोल बुढार हाईवे बघेल ढाबा के पास तेज रफ्तार पिकअप का टायर फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और शहडोल से बुढार की ओर जा रहे ट्रक से वाहन टकरा

गया। पिकअप में सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है। पिकअप चालक गंभीर घायल हुआ है। पुलिस ने बताया कि पिकअप जब ट्रक से टकराई तो ट्रक भी क्षतिग्रस्त हुआ है, ट्रक चालक और परिचालक को भी गंभीर चोट पहुंची है। दरअसल ट्रक से टकराने के बाद पिकअप बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हुई, पिकअप में सवार दो युवकों की घटनास्थल में मौत हो गई, जिनके शवो को निकालने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने दोनों शवो को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही के लिए अस्पताल भिजवाया है।

प्रतिक्रिया .....पिकअप का टायर फटने के बाद वह ट्रक से टकरा गई,पिकअप में सवार दो युवकों की मौत हुई है। पिकअप वाहन में मुर्गियां लोड थी, कई मुर्गियों की भी इस घटना में मौत हुई है। मामले पर अपराध दर्ज कर विवेचना जारी है।

भूपेंद्र मणि पांडे, थाना प्रभारी थाना- सोहागपुर

सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह द्वारा उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपदों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मनोज कुमार सिंह द्वारा उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी

प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया।

जामिया तिब्बिया देवबंद के निदेशक डॉ. अनवर सईद ईदगाह वक्फ कमेटी देवबंद के अध्यक्ष चुने गए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

देवबंद (सहारनपुर)। ईद-उल-फितर के सिलसिले में शेखुल हिंद हॉल में ईदगाह वक्फ कमेटी देवबंद की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता हाजी मुहम्मद उस्मान ने की तथा बैठक का एजेंडा ईदगाह कमेटी के सचिव मुहम्मद अनस सिद्दीकी ने पढ़ा। कार्यवाही के दौरान ईदगाह कमेटी के सचिव मोहम्मद अनस सिद्दीकी ने प्रस्ताव रखा कि कमेटी के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद सुफियान कासमी अपनी व्यस्तता के कारण अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किसी अन्य सदस्य को सौंपना चाहते हैं। जिसके बाद कमेटी के सदस्यों ने सर्वसम्मति से कमेटी के सक्रिय सदस्य जामिया तिब्बिया देवबंद के निदेशक डॉ. अनवर सईद को ईदगाह वक्फ कमेटी देवबंद का अध्यक्ष चुना। डॉक्टर अनवर सईद के ईद का कमेटी के अध्यक्ष चुने जाने पर नगर के गणमान्य लोगों ने उन्हें मुबारकबाद पेश की है।

शीतला माता मंदिर पर मेले का हुआ आयोजन, बडी सख्या में महिलाओं व श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़कर मत्था टेका और मन्नतें मांगी

माताओं ने शीतला माता से अपने-अपने घरों की सुख-समृद्धि व बच्चों के स्वास्थ्य की मन्नते मांगी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र मास की सप्तमी पर कुटी रोड स्थित शीतला माता मंदिर पर मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बडी सख्या में महिलाओं व श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़कर मत्था टेका और मन्नतें मांगी। कुटी रोड स्थित मन्दिर शीतला माता पर प्रसाद चढाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। खासतौर पर माताओं ने मन्दिर में मीठे पूडे, फल, फूल, जल आदि चढाया तथा मत्था टेका और अपने छोटे-छोटे बच्चो से भी माता के मंदिर पर मत्था टिकवाकर मां का आशीर्वाद दिलाया। इस दौरान माताओं ने शीतला माता से अपने-अपने घरों की सुख-समृद्धि व बच्चों के स्वास्थ्य की मन्नते मांगी। मन्दिर प्रांगण में पूजा करने आये श्रद्धालुओं ने बताया कि पुराने समय से ही बुजुर्ग चेचक, खसरा आदि के प्रकोप से अपने बच्चों को बचाने

के लिए माता शीतला की पूजा करने यहां आ रहे है। माता शीतला की पूजा करने से मन्नते पूरी होती है और बच्चें बीमारियों से बचे रहते है। मेले में प्रसाद की दुकान के अलावा खाने-पाने के समान, बच्चों के खेल- खिलौने की दुकानें लगी हुई थी। मन्दिर प्रांगण में श्रद्धालुओ द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया गया।

शीतला माता मंदिर के मुख्य पुजारी नीरज गर्ग भगत ने बताया कि चैत्र मास के बाद गर्मी का प्रभाव बढने से अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती है। चेचक, खसरा आदि बीमारियों के प्रकोप से अपने बच्चों को बचाने के लिए श्रद्धालु माता शीतला की पूजा-अर्चना करते है।

सांसद नवीन जिन्दल की ओर से बजीदपुर में लगवाए गए शिविर में 139 लोगों ने उठाया लाभ

अश्विनी वालिया । सिटी चीफ

कुरुक्षेत्र, सांसद नवीन जिन्दल के प्रयास से गांव बजीदपुर में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें मेडिकल वैन के जरिए लोगों के स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें नि:शुल्क दवाइयां दी गई। साथ ही नवीन संकल्प शिविर के दौरान लोगों को यशस्वी योजना व अन्य सरकारी स्कीमों का लाभ पहुंचाया गया। इस अवसर पर ग्राम वासियों ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल जन सेवक के रूप में क्षेत्र के लोगों की सेवा कर रहे हैं। ऐसे नेता समाज के लिए मिसाल हैं। सांसद जिन्दल के प्रयास से उन लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। जो सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काट सकते। खासकर

महिलाएं इन शिविरों का अधिक संख्या में लाभ उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि बाऊ जी स्वर्गीय ओपी जिंदल की सोच को आगे बढ़ाते हुए फाउंडेशन के जरिए सांसद नवीन जिन्दल की धर्मपत्नी शालू जिंदल भी लगातार लोगों के संपर्क में रहकर उनके सुख दुख बांट रही हैं। उनकी चलाई यशस्वी योजना से बेटियां भी शिक्षा क्षेत्र में आर्थिक रूप से लाभांवित हो रही हैं। मेडिकल टीम की ओर से डॉ. पूर्णमल ने बताया कि मेडिकल वेन के जरिए 48 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जबकि 6 लोगों के नि:शुल्क लैब टेस्ट किए गए। वहीं नवीन संकल्प शिविर में 85 लोगों को सरकारी योजनाएं जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन संबंधी लाभ दिया गया। जबकि नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के तहत 6 लोग पहुंचे। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल के निर्देशानुसार सभी लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभाओं में इस तरह के शिविर लगाए जा रहे हैं। गांव में शिविर आयोजित करने पर ग्राम वासियों ने संसद ने सांसद नवीन जिन्दल का आभार व्यक्त किया।

कबीर साहब के दरबार में रंग पंचमी का ऐतिहासिक मेला

सिंगोडी- होली पर्व के बाद रंग पंचमी का ऐतिहासिक मेला लगता हे जीवित समाधि स्थल कबीरवाडा मे नागपुर भंडारा राजस्थान नरसिंहपुर सागर बर्मन बालाघाट छत्तीसगढ़ और भी अन्य जगहों से आते बाबा साहब के श्रद्धालु होती है सबकी मनोकामना पूर्ण मिलता है सब को आशीर्वाद विगत वर्षों से होली पर कबीरबाडा में ऐतिहासिक रंगपंचमी का मेला लगता है जिसमें आसपास क्षेत्र सहित पूरे मध्य प्रदेश से श्रद्धालु रंग पंचमी मे पहुंचते हैं और बाबा साहब का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं रंग पंचमी के दिन कबीर साहब के दरबार में निशान भी चढ़ाया जाता है चौका आरती भी की जाती है विशाल भंडारा लगातार 5 दिनों तक चलता है बहुत बड़ी युद्ध स्तर पर इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजन प्रसाद प्रसाद ग्रहण करते हैं समिति लोगों द्वारा बहुत अच्छी सरहनी व्यवस्था रहती है बाहर से आए हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके ऐसी समिति व्यवस्था करती है और सहब के चाहने वाले बड़े तादाद उपस्थित होते हैं और बाबा साहब के दरबार में अर्जी लगाते हैं, समिति द्वारा भोजन की बहुत अच्छी व्यवस्था रहती है, साहब के दरवार की चादर लेकर नगर में विशाल शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें शोभा यात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत किया गया और गईयूर भाई, ताज़ मोहम्मद के जानिब से फिर विशाल शरबत, पानी का एतेहमाम किया गया इसमें सभी श्रद्धालु को शरबत पानी पिलाया गया, और साहब के दरबार की बहुत ही प्यारी सास सजा गुलाम साबिर और बलराज पटेल की तरफ से प्रतिवर्ष किया जाता है इस बार भी बहुत प्यारी सास सज्जा कराया गया, पुलिस प्रशासन की बहुत ही सराहनीय व्यवस्था रही श्रद्धालु को आबा

गमन में किसी प्रकार की परेशानियां दिक्कतों का सामना ना करना पड़े पुलिस ने बहुत ही सुचारू रूप से व्यवस्था बनाई,, साहब के दरबार में सभी लोगों ने अर्जी लगाई, छिंदवाड़ा जिले के अध्यक्ष शेषराव यादव, मंडल अध्यक्ष सोनू सरस्बार, जनपद सदस्य योगेश यादव, वरिष्ठ डॉक्टर उमेश शर्मा, पूर्व सरपंच रमेश पहलवान, परसादी पटेल, बद्री पटेल, बंटी पांडे, संजय सोनी, सुभाष साहू, दर्शन पटवा और समिति के जबाज लोगों द्वारा मेले में साहब के दरबार में बहुत ही अच्छी प्यारी व्यवस्था रही,

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

30 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान में अब तक की सबसे बड़ी सफलता दर्ज की। बीजापुर और कांकेर जिलों में हुई दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कुल 30 नक्सली मारे गए, जबकि एक जवान शहीद हो गया। यह अभियान राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा था, जिसमें सुरक्षा बलों को महत्वपूर्ण कामयाबी मिली है।

बीजापुर में तगड़ा झटका- 26 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र में सुबह करीब 7 बजे सुरक्षा बलों की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी, जब नक्सलियों से आमना-सामना हुआ। इसके बाद घंटों चली मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए, जिनमें से 15 महिला नक्सली थीं। इस ऑपरेशन में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड का एक जवान शहीद हो गया।

कांकेर में भी बड़ी सफलता, 4 नक्सली मारे गए दूसरी मुठभेड़ कांकेर-नारायणपुर सीमा पर हुई, जहां सुरक्षा बलों ने 4 नक्सलियों को मार गिराया। इस अभियान में बीएसएफ और राज्य पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। मौके से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

बस्तर IG ने दी जानकारी, सर्च ऑपरेशन जारी बस्तर रेंज के ड्डत्त सुंदरराज पी. ने बताया कि घटनास्थल से ऑटोमैटिक हथियार और अन्य नक्सली सामग्री बरामद हुई है। इलाके में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है और यह संख्या बढ़ सकती है।

सरकार की प्रतिक्रिया, नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक मोड़ इस बड़ी कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई देते हुए कहा कि यह नक्सल मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने दोहराया कि सरकार 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने के संकल्प पर अडिग है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई पूरी मजबूती से जारी है। बीजापुर और कांकेर में सुरक्षाबलों ने जो सफलता हासिल की है, वह राज्य में शांति और स्थिरता स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नक्सलियों के खिलाफ यह सबसे बड़ी कार्रवाई छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ वर्षों से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। बीते सालों में नक्सली वारदातों में कमी आई है, और यह ऑपरेशन उनकी कमजोर होती स्थिति को दर्शाता है।

500 जवानों ने 7 घंटे तक चलाया अभियान इस ऑपरेशन में 500 से अधिक जवानों ने हिस्सा लिया और यह अभियान करीब 7 घंटे तक चला। सुरक्षाबलों की इस बड़ी कार्रवाई से नक्सलियों को गहरा झटका लगा है और इससे नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की स्थिति मजबूत होगी।

नक्सलवाद के अंत की ओर एक और कदम सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कार्रवाई नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। बीते वर्षों में सरकार और सुरक्षाबलों के समन्वित प्रयासों से नक्सली गतिविधियों में कमी आई है, और इस अभियान से उनके नेटवर्क को और कमजोर करने में मदद मिलेगी।

बिम्ट्स महाविद्यालय द्वारा सिकल सेल एनिमियाविषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला और 15वां लैम्प लाईटिंग सेरेमनी हुई आयोजित

बुरहानपुर

बुरहानपुर। झिरी स्थित ईस्वम एकेडमी ऑफ टेक्निकल एण्ड जनरल एज्युकेशन बुरहानपुर द्वारा संचालित महाविद्यालय प्रो. बृजमोहन मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड टेक्निकल साइंसेस बुरहानपुर के नर्सिंग विभाग द्वारा नर्सिंग विभाग द्वारा सिकल सेल एनिमिया बीमारी के प्रति जागरूकता हेतु ''एमरजेंसी चैलेंजेस एण्ड फ्युचर थैरेपी ऑफ सिकल सेल एनिमिया'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला और सत्र 2022-23 एवं 2024-25 में नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों का शपथ विधी समारोह 15वां लैम्प लाईटिंग सेरेमनी आयोजित की गई।

संस्था के जनसंपर्क अधिकारी मिर्जा राहत बेग ने बताया कि सिकल सेल एनिमिया बीमारी के प्रति जागरूकता हेतु ''एमरजेंसी चैलेंजेस एण्ड फ्युचर थैरेपी ऑफ सिकल सेल एनिमिया'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के साथ 8 मार्च से 18 मार्च 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी तारतम्य में सिकल सेल एनिमिया बीमारी के प्रति लोगो में जागरूकता फैलाने हेतु महाविद्यालय द्वारा इंदिरा कॉलोनी स्थित परमानंद गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय व्याख्याता मेडीका लिगल कन्सल्टेंट एण्ड होलिस्टिक कॉउंसलर, ऑस्ट्रेलिया प्रो. मिनाक्षी कृष्णन एवं केवलश्री इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंदौर की प्राचार्य प्रो.नवनीता ख्रीस्ट, एप्पल हॉस्पीटल बुरहानपुर के डॉ. ज्ञानेश्वर जयभाये, संस्था अध्यक्षा श्रीमती राखी मिश्रा, सचिव अमित मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी विशाल गोजरे ने मां सरस्वती, प्रो.बृजमोहन मिश्रा एवं फ्लोरेंस नाईटेंगल के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर सैय्यद आसिफ अली, डॉ.जैनुद्दीन अली, नर्सिंग विभाग के प्राचार्य रमाकांत गायकवाड़ प्रिन्यु थॉमस, शैलेन्द्र उपाध्याय, मयूर पाटील, प्रिया नवग्रहे एवं भूषण बोरनारे उपस्थित थे।

विगत 10 दिनों से सिकल सेल एनिमिया बीमारी के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें विद्यार्थियों ने बुरहानपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर ग्रामीणों का सिकल सेल टेस्टिंग कीट के माध्यम से परीक्षण कर एक रिपोर्ट तैयार की, जिसे अंर्तराष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत की गई। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में सिकल सेल एनिमिया बामरी के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि सिकल सेल एनिमिया एक जेनेटीक बीमारी है जो कि सिकल सेल एनिमिया से ग्रसित माता-पिता से बच्चे में 40 से 50 प्रतिशत तक होने की संभावना होती है। इस बीमारी का पता सिकल सेल एनिमिया की टेस्टिंग कीट के माध्यम किया जाता है। सिकल सेल एनिमिया से पीड़ित बच्चों एवं उनके माता-पिता की पहचान कर उन्हें शासन द्वारा नि:शुल्क औषधी प्रदान की जाती है और शासन के नियमानुसार सिकल सेल एनिमिया से ग्रसित मरीजों को हेंडीकेप का सर्टिफिकेट प्रदान करने का प्रावधान भी है।

शपथ विधि समारोह 15वां लैम्प लाईटींग सेरेमनी का हुआ आयोजनइस अवसर पर नर्सिंग पाठ्यक्रमों में सत्र 2022-23 एवं 2024-25 में प्रवेशित विद्यार्थियों को अपने नर्सिंग कार्य के प्रति सेवा, निष्ठा, समर्पण की शपथ विधी समारोह 15वां लैम्प लाईटींग सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां देकर प्रेक्षकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संस्था अध्यक्षा श्रीमती राखी मिश्रा ने नर्सिंग विद्यार्थियों को नर्सिंग के देवी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाईटेंगल चित्र को साक्षी मानकर मोमबत्ती प्रज्वलित कर निष्ठा एवं सेवा की शपथ दिलाई। श्रीमती मिश्रा ने अपने उद्बोधन में नर्सिंग के नवागत विद्यार्थियों शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि नर्सिंग प्रोफेशन यह बहुत अनुशासित, संवेदशील एवं जिम्मेदारी से भरा हुआ है। अत: प्रत्येक विद्यार्थी को उसका निर्वहन पुरी निष्ठा से करना है। 15 वर्षों से बुरहानपुर जिले में एकमात्र नर्सिंग महाविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रदेश एवं देश के जाने माने हॉस्पिटलों तथा शासकीय चिकित्सालयों में अपनी सेवाएं दे रहे है। यह महाविद्यालय के लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा यह बहुत खुशी की बात है। विगत वर्ष में अपनी-अपनी कक्षाओं उत्तीर्ण होकर सफलता अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को एवं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

सिकल सेल एनिमिया के विषय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए संस्था अध्यक्ष श्रीमती राखी मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री अनिल जैन, सचिव अमित मिश्रा, प्राचार्य सैय्यद आसिफ अली, डॉ. जैनुद्दीन अली, डॉ.शितल पाटीदार, राजु पटेल, हेमलाल सोलंकी, जयप्रकाश पाटील, नेहा विस्पुते, रूपाली कुशवाह एवं समस्त स्टॉफ ने शुभकामनायें प्रेषित कर हर्ष व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग में बुरहानपुर के युवा निर्मित शाह की प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्ति

बुरहानपुर

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग में नई नियुक्ति हुई जिसमें बुरहानपुर से युवा निर्मित शाह को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया. बुरहानपुर के निर्मित शाह लंबे समय से कांग्रेस पार्टी के लिए निरंतर पार्टी की सेवा में लग रहे है इसके पूर्व में उन्होंने युवा कांग्रेस में समन्वयक के रूप में और आईटी सेल जिला अध्यक्ष के रूप में और विधायक प्रतिनिधि के रूप में अपनी भूमिका निभा चुके हैं लेकिन इस बार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया अध्यक्ष चंचलेश व्यास जी द्वारा जीतू पटवारी जी के अनुशंसा पर एवं ठाकुर सुरेंद्र सिंह शेरा एवं हर्षित ठाकुर की निर्देश पर निर्मित शाह को एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई हैं, जिसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी जनरल सेक्रेटरी सोशल मीडिया के रूप में उन्हें नियुक्त किया गया है निर्मित शाह ने सभी वरि नेताओं का आभार व्यक्त किया हैं, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सोशल मिडिया सुप्रिया श्रीनेत , प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी , प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी जी, प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया चंचलेश व्यास , पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा, पूर्व विधायक कुणाल चौधरी युवा नेता हर्षित सिंह ,जिला अध्यक्ष रिंकू टांक की,युवा नेता विश्वजीत एवं देवेश्वर का उन्होंने आभार माना।

अर्चना चिटनिस के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप से मिला बहादरपुर सूत मिल के मजदूरों का प्रतिनिधि मंडल

बुरहानपुर

बुरहानपुर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप से विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस के नेतृत्व में बुरहानपुर की बहादरपुर सहकारी सूत मिल मर्यादित के श्रमिक एवं कर्मचारियों को देय वेतन, ग्रेज्यूटी के भुगतान को लेकर मजदूरों का प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर अपनी मांगों के निराकरण की मांग दोहराई। जिस पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अतिशीघ्र मजदूरों के हित में निर्णय लेने का अश्वासन दिया। साथ ही मंत्री चैतन्य काश्यप ने बुरहानपुर कलेक्टर को निर्देश दिए कि मजदूरों-श्रमिकों की दैनदारियों का आंकलन कर शीघ्र राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

प्रतिनिधि मंडल में शिवचरण शर्मा, प्रभाकर महाजन, यादव साल्वे, लक्ष्मीनारायण सोनवणे, देवेन्द्र शाह एवं अरूण विश्वकर्मा सहित अन्य मजदूर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की ऐसी सभी बंद मिलों, जिनको मजदूरों को उनका हक अब तक नहीं मिल पाया है, सरकार पूरे ब्याज सहित उन मिल मजदूरों को उनका वाजिब हक दिलाएगी। इसमें बुरहानपुर की बहादरपुर सहकारी सूत मिल भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में मध्यप्रदेश विधानसभा में विधायक अर्चना चिटनिस ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से बुरहानपुर की बहादरपुर सहकारी सूत मिल मर्यादित के श्रमिक एवं कर्मचारियों को देय वेतन, ग्रेज्यूटी के भुगतान का विषय सदन में उठाया था। जिस पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने उत्तर देते हुए अतिशीघ्र कार्यवाही आरंभ कर भुगतान करने का आश्वासन दिया था। जिसके परिणाम स्वरूप जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया। जिसकी दो बार बैठकें भी आयोजित हो चुकी है। जिला स्तरीय समिति मजदूरों की दैनदारियों का आंकलन कर शीघ्र प्रस्तुत करेंगी।

अर्चना चिटनिस ने विधानसभा में मांग रखी थी कि हमारी सरकार ने मालवा मिल, हुकुमचंद मिल, विनोद मिल, अर्वतिका सूत मिल, हीरा मिल आदि के मजदूरों के प्रति जिस संवेदनशीलता से निर्णय किया, उनके सारे मजदूरों की देनदारियां का भुगतान किया उसी प्रकार बुरहानपुर की बहादरपुर सूत मिल के मजदूरों-कर्मचारियों के लिए भी समय-सीमा में निर्णय करें। चिटनिस ने कहा कि हम विगत 25 वर्षों से इस मुद्दे को उठा रहे है। लगातार प्रयास कर श्रमिकों-कर्मचारियों को उनका हक मिल सके, इस हेतु प्रयत्नशील रहे।

कांग्रेस के शासन काल में 1998 में बंद हुई थी, बहादरपुर सूत मिल

अर्चना चिटनिस ने कहा कि फरवरी 1998 दिग्विजयसिंह के कांग्रेसी शासनकाल से बंद पड़ी और तब 3-4 वर्षों में अस्तित्व खो चुकी बहादरपुर सूत मिल के श्रमिकों एवं कर्मचारियों को आज तक भी देय वेतन एवं ग्रेज्युटी का लाभ नहीं मिला है। जो बहादरपुर और बुरहानपुर के मेहनतकश कामगारों हेतु काला दिन रहा। जिस दिन इस चालू मिल को तत्कालीन सरकार ने बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि मिल के परिसमापन को 25 वर्ष से अधिक समय हो चुका है। मिल के श्रमिक अपनी भुगतान राशि के लिए कई वर्षों से आंदोलतरत है तथा इन श्रमिकों में से लगभग 200 श्रमिकों के मृत्यु भी हो चुकी है। इन श्रमिकों की 1999 में देयता 1 करोड़ 51 लाख राशि का भुगतान शैष बताया गया। श्रीमती चिटनिस ने अपने प्रश्न में 31 मार्च 2024 तक की स्थिति में श्रमिकों की देनदारियां ब्याज सहित 56,55,14212/- होना बताया। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने बहादरपुर सूत मिल को कार्यशील पूंजी के अभाव में फरवरी 1998 में बंद कर दिया था। उसके पश्चात शासन ने अक्टूबर 1999 अपना परिसमापक नियुक्त कर संस्था को परिसमापन में ले लिया था। वर्तमान में महाप्रबधंक, जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र बुरहानपुर परिसमापक है।

बरखेड़ा गौशाला से विद्युत सामग्री चौरी

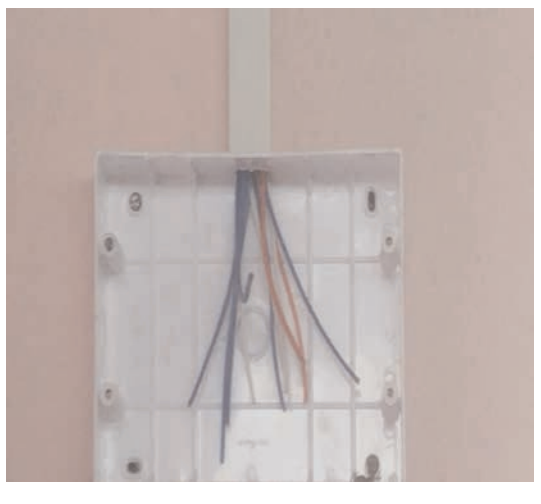

उज्जैन बरखेड़ा जावरा जहा शासन के द्वारा गौशाला का निर्माण करवाया जा रहा है जो लंबे समय से प्रगतिरत है, गौशाला में चल रहा निर्माणकार्य वर्तमान में प्रतलगिरत होनें के साथ अंतिम चरणों में है, ओर प्रगतिरत गौशाला में लाइट फिटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका था और वर्तमान में होली के त्यौहार के चलते कार्य बंद पड़ा हुआ था 20 मार्च की सुबह जब गौशाला में साफ सफाई के लिए पहुंचे तो पता चला कि गौशाला में लाइट के लिए लगाए गए तार, स्विच बोर्ड अज्ञात चोर ले गए जिसकी लिखित में सूचना थाना प्रभारी खाचरोद को दी गई !

विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

शाजापुर

विश्व जल दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के द्वारा प्रेषित शिविर कार्य-योजना 2024-25 के पालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन मे तथा श्री दिनेश कुमार नोटिया जिला न्यायाधीश के मुख्य आतिथ्य में तथा श्रीमती डॉ स्वाति चौहान न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री फारूक अहमद सिद्दीकी जिला विधिक सहायता अधिकारी के विषिष्ट आतिथ्य , शैलेंद्र सोनी जिला कार्यक्रम अधिकारी नेशनल हेल्थ मिशन ,संदीप राठौर सदस्य किशोर न्याय बोर्ड व कंचन सोसायटी से श्री मति गायत्री वर्मा मोजूद रही। नवांकुर संस्था कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी संबद्ध जन अभियान परिषद द्वारा शाजापुर मे जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया शीविर की शुरूआंत मॉ सरस्वती जी छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर की गई। शिविर के मुख्य अंतिथि श्री दिनेश कुमार नोटिया ने जल के संरक्षण एवं उसकी महत्ता के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि जल है तो कल है इसलिए हम सभी को पानी की एक-एक बूंद को बचाने के प्रयास करना होगा जिसकी शुरुआत हमें अपने दैनिक जीवन में रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग आने वाली गतिविधियों जैसे ब्रश करने से लेकर नहाने कपड़े धोने इत्यादि कामों में हमें जल के अपव्यय को रोककर करना होगी यदि हम सब के द्वारा प्रतिदिन 1 लीटर पानी को भी बचा पाए तो हमें जल दिवस के अवसर पर संभवत जागरूकता कार्यक्रम करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। साथ ही आगे कहा कि वर्षा जल के संग्रहण के उपाय करें ताकि भूमिगत जल स्तर बढ़ता रहे। अगर जल संरक्षण के उपाय नही किये गये तो आगे आने वाली पीढ़ी को बहुत मुश्किल दौर से गुजरना पड़ेगा। दिन प्रतिदिन वनों की कटाई से न केवल मृदा अपरदन बड़ा हैं, बल्कि वर्षा जल का संरक्षण भी नही हो पाया, क्योंकि वृक्ष वर्षा जल को जमीन में सोखकर भू जल स्तर में वृद्धि में सहायक होते है। इस प्रकार जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हमें अभी से प्रयास करना होगा, नही तो बिना जल हमारा कल सम्भव नहीं हैं। श्रीमती डॉ स्वाति चौहान न्यायधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं के बारे विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर जल की बचत एवं पानी के अपव्यय ना करने की शपथ दिलाई। शिविर का संचालन कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी शाजापुर के संस्थापक श्री नवीन वर्मा के द्वारा किया गया व साथ ही अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेंट किए । शिविर में 100 से अधिक छात्र/छात्राएं , उपस्थित थें।

नाहर महासंघ का मिलन समारोह 23 को उज्जैन में - राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पी नाहर होंगें शामिल

झाबुआ थांदला। देश के लोक सांस्कृतिक पर्व होली को पूरा देश उत्साह उमंग के साथ मनाता है। ऐसे में सामाजिक राजनीतिक व धार्मिक संगठनों द्वारा भी फाग उत्सवों के माध्यम से अपनत्व प्रदर्शन के मौके भुनाये जाते रहे है। ऐसे में मध्यप्रदेश के समस्त अखिल भारतीय नाहर महासंघ मध्यप्रदेश का नाहर गौत्र मिलन समारोह आगामी 23 मार्च 2025 रविवार को महाकाल की नगरी उज्जैन में प्रसिद्ध जैन तीर्थ अभ्युदयजी पर

आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए नाहर संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि 卐आनंदोत्सव卐 थीम पर आयोजित नाहर मिलन समारोह में मध्यप्रदेश प्रांत के अधीन आने वालें नाहर संघ गुजरात व राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों के नाहर बन्धु शामिल होंगें। आयोजन में नाहर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पी नाहर (पुणे) से विशेष रुप से अतिथि रहेंगें वही संस्थापक अध्यक्ष बाबूलाल नाहर (जावरा) कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगें। वही व्यवस्था प्रबंधन इंदौर के संजय नाहर (9425081604) व वीरेंद्र नाहर (9981776882) व अरविंद नाहर (नागदा) 9827044431 देख रहे है वही प्रयाग नाहर आवास व्यवस्था, प्रदीप नाहर भोजन व्यवस्था सम्भाल रहे है। नागदा के अनिल नाहर व उज्जैन के युवा अंकुर नाहर को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। आयोजको ने देश मे रहने वालें समस्त नाहर बंधुओं से उक्त आनंदोस्तव में शामिल होने की अपील की है।

समारोह में होगी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शपथ विधि कुलदेवी माँ भवानी माता के उपासक नाहर बंधुओं के इस मिलन समारोह में अ. भा. नाहर बंधु जैन महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ विधि होगा जिसमें मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, तमिळनाडू, कर्नाटक महाराष्ट्र, चेन्नई, जम्मू आदि कई प्रदेशों के नाहर बंधुओं के पदाधिकारियों के साथ नाहर बन्धुओं के आने की संभावना है। आयोजन समिति ने कहा कि सभी नाहर भाई आपस में मिलेंगें तो रिश्तों में मिठास आएगी साथ ही उज्जैन के बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन व अलौकिक महाकाल लोक परिसर के अवलोकन का सौभाग्य भी प्राप्त हो सकेगा अत: परिवार सहित अवश्य पधारने का लक्ष्य रख आयोजन को सफल बनायें।

नरेडीपाता बालाजी में मैले का आयोजन

रुनखेड़ा शासकीय विद्यालय द्वारा भी लगाई गई प्रदर्शनी

उज्जैन

नरेड़ीपाता श्री बालाजी हनुमान मंदिरबोर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रंगपंचमी के अवसर पर मैले का का आयोजन किया जाता है, श्रीहनुमान मंदिर पर बालाजी का आकर्षक श्रृंगार किया गया, सैकड़ों की संख्या भक्त जन पहुंचे ! मेला देखने आए भक्त लोगों ने पहले बालाजी मंदिर में पहुंचकर चमत्कारी बालाजी के दर्शन कर फूल माला ओर नारियल चढ़ाएं जिसके बाद हजारों की संख्या में लोगों ने मेले में आनंद लिया बता दे कि बालाजी धाम में कहीं वर्षों से ग्राम पंचायत व रामायण मंडल द्वारा मेले का आयोजन किया जाता है रामायण मंडल द्वारा बालाजी मंदिर को लाइट डेकोरेशन फूल माला से सजाया जाता है वहीं रामायण मंडल द्वारा मंदिर परिसर में भजन कीर्तन भी किया जाता है भजन कीर्तन में छोटी-छोटी बालिकाएं बड़े बुजुर्ग भी झूमते नजर आए। मंदिर पुजारी बंशीदास बैरागी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह मंदिर कहीं वर्ष पुराना है यहां पर जो भी भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर आता है उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं ! वहीं मंदिर परिसर में भजन कीर्तन करने वाले श्यामसिंह चौहान ने कहा कि रामायण मंडल द्वारा यह आयोजन किया कही वर्षों से होता आ रहा है यहां पर पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा है !

स्कूल ने लगाई प्रदर्शनीय

इस मैले में कई प्रकार की दुकान लगाई गई थी, इस दुकानो के बिच में एक प्रदर्शनी शा.उ.मा.वि. रुनखेड़ा द्वारा लगाकर ग्रामवासियो को विद्यालय मे नए एडमिशन बढ़ाने के लिए एवं शासन द्वारा दी जाने वाली सुविधाओ का प्रचार प्रसार किया गया, साथ ही सरकार द्वारा कक्षा 12 मे मेद्यावी छात्र छात्राओ को दी जाने वाली स्कुटी भी मेले में लाई गई पालको को प्रेरित किया गया, और कक्षा 12वी मे 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर लेपटॉप के लिए 25000 की राशि का भी दी जाती है, साथ ही विद्यालय के प्रतिनिधि शिक्षक रणछोड़ लाल नायमा, मुकेश कुमार पाटीदार, विरेन्द्र सिंह पंवार, अजय चौहान, रुपसिंह सौलंकी, दिनेश चौधरी, महेन्द्र सिंह गोहिल, संतोष वरतीया साथ ही कम्प्युटर ऑपरेटर रवि लिम्बोला भी शामिल हुए मेले मे पुर्व सरपंच राधेश्याम सेन, लोकेन्द्र सिंह पंवार, दौलतसिह पंवार, सुरेश जोशी द्वारा भी पालको को विद्यालय में प्रवेष हेतु प्रोत्साहित किया गया !

इजराइल के ताजा हमले से गाजा में 58 फिलीस्तीनियों की मौत

रफा और खान यूनिस में हालात बदतर!

इंटरनेशनल डेस्क. गाजा पट्टी पर बुधवार रात से जारी इजराइली हमलों में कम से कम 58 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई। गाजा स्थित तीन अस्पतालों ने यह जानकारी दी। कई मकानों पर मध्य रात्रि में किए गए हमले में सोते हुए बचों एवं महिलाओं समेत कई लोग मारे गए। इजराइल ने मंगलवार को गाजा में भीषण हमले फिर से शुरू कर दिए जिससे वह युद्ध विराम समझौता टूट गया जिसके तहत दो दर्जन से अधिक बंधकों को रिहा कराने में मदद मिली थी।

इजराइल ने नए सिरे से लड़ाई शुरू होने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इस उग्रवादी समूह ने उस नए प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था जो उस समझौते में शामिल नहीं था जिस पर हस्ताक्षर किए गए थे। हमास द्वारा इस प्रस्ताव को अस्वीकार किए जाने के बाद इजराइल ने हमले किए। इजराइल ने मंगलवार सुबह भी गाजा पट्टी क्षेत्र में हवाई हमले किए थे जिसमें महिलाओं और बचों सहित 400 से अधिक फलस्तीनी मारे गए थे। हमास द्वारा रॉकेट दागने या अन्य हमले करने की कोई जानकारी नहीं मिली है। बृहस्पतिवार तड़के हुए हमलों में से एक हमला अबासन अल-कबीरा गांव में एक मकान पर हुआ। यह गांव खान यूनिस के बाहर इजराइल की सीमा के पास है। यह गांव उस इलाके में है जिसे इजराइली सेना ने इस सप्ताह की शुरुआत में खाली करने का आदेश दिया था।

गांव के निकट स्थित 'यूरोपियन हॉस्पिटल ने बताया कि इस हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए जिनमें अधिकतर महिलाएं और बचे हैं। दक्षिणी शहर रफा में स्थित 'यूरोपियन हॉस्पिटल ने कहा कि रात भर किए गए हमलों के बाद उसके पास कुल 36 शव लाए गए जिनमें यादातर महिलाओं एवं बचों के शव हैं। खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल में सात शव लाए गए जिनमें से चार को 'यूरोपियन हॉस्पिटल में स्थानांतरित कर दिया गया था। उत्तरी गाजा में, 'इंडोनेशियन हॉस्पिटल ने बताया कि उसके पास 19 लोगों के शव लाए गए।

क्या होगा जब 2 अप्रैल से भारत पर अमेरिका टैरिफ लगाएगा, जानें असर

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए नए टैरिफ के असर को लेकर वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल की एक नई रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के द्वारा लगाए गए टैरिफ का भारत पर सीमित असर पड़ेगा। इसका कारण यह है कि भारतीय कंपनियों का अमेरिकी बाजार में एक्सपोजर कम है, जिसके चलते इस बदलाव का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा गहरा नहीं होगा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल 2025 से भारत पर उतना ही टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जितना कि भारत अमेरिका पर लगाता है। ट्रंप का मानना है कि भारत जल्द ही अपने टैरिफ को काफी हद तक कम कर देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि भारत अपने टैरिफ को कम नहीं करता, तो वह 2 अप्रैल से अमेरिकी टैरिफ को लागू करेंगे।

एसएंडपी की रिपोर्ट में क्या?

एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों का अमेरिका में एक्सपोजर कम होने के कारण इस नए टैरिफ का असर सीमित रहेगा। हालांकि, कुछ सेक्टरों में इस टैरिफ का असर जरूर दिखाई दे सकता है, जिनमें मुख्य रूप से स्टील और केमिकल सेक्टर शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस प्रभाव की अवधि काफी छोटी होगी और इसका असर ज्यादा गहरा नहीं होगा।

क्या कंपनियों पर होगा दबाव?

एसएंडपी की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीय कंपनियों पर इस टैरिफ के कारण

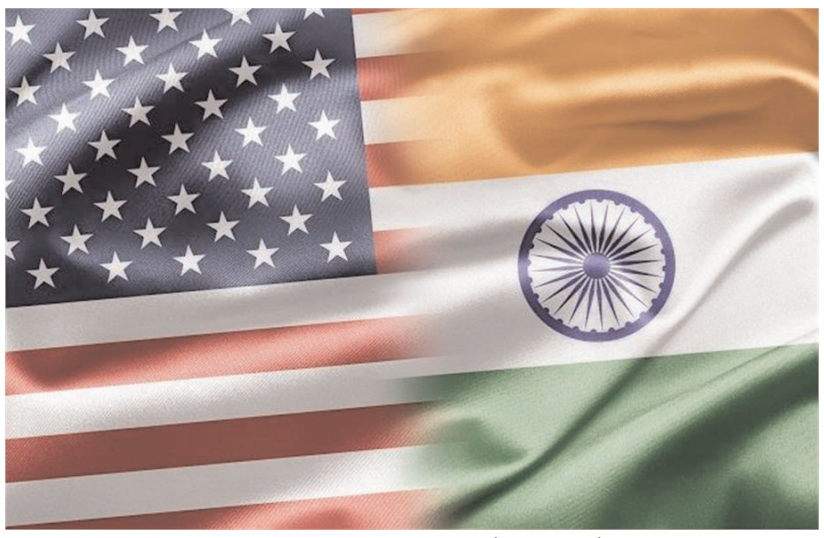

आंशिक दबाव जरूर आ सकता है, लेकिन यह दबाव लंबे समय तक नहीं रहेगा। इसके अलावा, भारत की विविधतापूर्ण व्यापार नीतियों और अन्य बाजारों में मौजूदगी से कंपनियों को राहत मिलेगी। इसका मतलब यह है कि भारतीय कंपनियों के पास अमेरिका के अलावा अन्य बाजारों में व्यापार करने के विकल्प हैं, जो उन्हें इस दबाव से बचने में मदद करेगा।

भारत-अमेरिका के बीच बातचीत जारी

भारत और अमेरिका के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत चल रही है, और माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक इस समझौते की पहली किश्त का ऐलान किया जा सकता है। इस समझौते से भारत को राहत मिल सकती है, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस विषय पर बयान दिया है और कहा है कि चाहे हमें पसंद हो या न हो, लेकिन टैरिफ एक सच्चाई है।

भारत को मिलेगा राहत का मौका

कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत को सितंबर तक राहत मिल सकती है। हालांकि, यह राहत अमेरिकी टैरिफ पर निर्भर करेगी, और इसका कोई निश्चितता नहीं है। भारत के अधिकारी इस मुद्दे पर सतर्क बने हुए हैं और अमेरिकी निर्णयों का बारीकी से निरीक्षण कर रहे हैं।

गोवा में विस्फोटकों के गोदाम में हुआ जबरदस्त धमाका, कई घायल

नेशनल डेस्क. दक्षिणी गोवा में एक निजी फैक्टरी से संबंधित विस्फोटकों के एक गोदाम में भीषण धमाका हुआ। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े दस बजे नाकेरी-बेतुल इलाके में एक गोदाम में धमाका हुआ लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। उनके अनुसार, विस्फोट के कारण आग भी लग गई। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गये तथा दो घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद दक्षिण जिले के जिलाधिकारी एग्ना क्लीटस ने संवाददाताओं को बताया कि संबंधित अधिकारी शुक्रवार को घटनास्थल का निरीक्षण करेंगे।

क्लीटस ने कहा, ''घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।%% क्यूपेम के विधायक अल्टोन डी%कोस्टा ने बृहस्पतिवार रात घटनास्थल का दौरा किया और उसके बाद 'पीटीआई-भाषा% को

बताया कि धमाका इतना शक्तिशाली था कि नकेरी-बेतुल गांव के कई घरों में दरारें आ गईं। उन्होंने कहा, ''विस्फोट की तेज आवाज के कारण स्थानीय लोग घबरा गए और अपने घरों से बाहर आ गए। विस्फोट से लगी आग कैनाकोना तालुका के अगोंडा बीच से भी देखी जा सकती थी। नकेरी-बैतूल पंचायत के सरपंच प्रीतम देउलकर ने दावा किया कि गोदाम ने (विस्फोटक भंडारण के संबंध में) स्थानीय निकाय से कोई अनुमति नहीं ली थी। गोदाम स्थापित करने वाली कंपनी के एक प्रतिनिधि ने ग्रामीणों को बताया कि यह गोदाम दक्षिणी गोवा के वर्ना औद्योगिक एस्टेट में स्थित छोटे कैलिबर के गोला बारूद कारखाने से जुड़ा है। अधिकारी ने दावा किया कि उन्हें नकेरी-बेतुल में गोदाम चलाने के लिए पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से अनुमति मिली थी। पीईएसओ (पूर्व नाम विस्फोटक विभाग) विस्फोटकों, संपीड़ित गैसों और पेट्रोलियम जैसे खतरनाक पदार्थों की सुरक्षा को विनियमित करने वाली एक नोडल एजेंसी है।

मुंबईः 55 साल के व्यक्ति ने 34 वर्षीय शख्स के साथ बनाए समलैंगिक संबंध...दर्दनाक मौत

नेशनल डेस्क. मुंबई के कालबादेवी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां समलैंगिक संबंधों के दौरान 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी साथी न केवल वहां से भाग गया बल्कि मृतक के दो मोबाइल फोन भी लेकर फरार हो गया। पुलिस को इस घटना का पता तब चला जब घर से बदबू आने लगी और जांच के दौरान मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की गई। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

एलटी मार्ग पुलिस के अनुसार, कालबादेवी इलाके में एक घर से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। जब पुलिस वहां पहुंची तो एक

व्यक्ति को बेहोशी की हालत में पाया गया। उसे तुरंत जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में पुलिस को यह सामान्य मौत का मामला लगा, लेकिन जब जांच की गई तो पता चला कि मृतक के दोनों मोबाइल फोन गायब थे। इससे पुलिस को शक हुआ और उन्होंने मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस करनी शुरू की।

बोरीवली में ट्रेस हुआ मोबाइल, आरोपी गिरफ्तार

तकनीकी जांच के बाद पुलिस को मोबाइल फोन की लोकेशन बोरीवली में मिली। जब पुलिस ने वहां दबिश दी तो एक 34 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान यह सामने आया कि मृतक और आरोपी के बीच समलैंगिक संबंध थे।

कैसे हुई मौत?

बताया जा रहा है कि समलैंगिक संबंधों के दौरान 55 वर्षीय व्यक्ति अचानक बेहोश हो गया। यह देखकर आरोपी घबरा गया और उसने न तो किसी को बुलाया और न ही मदद करने की कोशिश की। इसके बजाय, उसने मृतक के दो मोबाइल फोन उठाए और वहां से भाग गया। एलटी मार्ग पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि मृतक की मौत स्वाभाविक थी या इसमें किसी तरह की साजिश थी। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जो मौत के असली कारणों का खुलासा करेगी।

पहले किसान की बेरहमी से की हत्या...फिर ट्रैक्टर की ट्रॉली में रखा शव

बिहार के मोतिहारी में दिल-दहला देने वाली वारदात

बिहार के मोतिहारी जिले से एक दिल-दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर बेखौफ बदमाशों ने एक किसान की गला रेतकर हत्या कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

ट्रैक्टर के ट्रॉली में रखा शव

जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के रक्सौल थाना क्षेत्र का है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि जटियाही गांव में बुधवार की रात अपराधियों ने एक किसान की गला रेतकर हत्या कर दी है। घटना के बाद अपराधियों ने शव को उनके ही खेत में उनके ट्रैक्टर ट्रॉली में रख दिया था। मृतक की पहचान जटियाही गांव निवासी रमेश सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि गांव से गुजरने वाली नहर के समीप खेत में रमेश सिंह ने

गन्ना की फसल लगाई है। बुधवार की रात रमेश सिंह अपने सहयोगी अजय के साथ खेत में लगे गन्ना की फसल में पानी पटाने के लिए ट्रैक्टर को लेकर गए थे। रमेश सिंह ने अजय को देर रात घर भेज दिया और खुद खेत में ही रुक गए। गुरुवार की सुबह जब अजय पुनः खेत पर गया तो उसने रमेश सिंह का शव ट्रैक्टर की ट्रॉली में पड़ा पाया। उसने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने शव को घर लाया और पुलिस को सूचना दी। इलाके में मचा हड़कंप इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार और थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रक्सौल एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

रूस-यूक्रेन शांति वार्ता तेज!

अमेरिका ने जेलेंस्की से मांगा यूक्रेनी पावर प्लांट्स का कंट्रोल

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच बुधवार को एक घंटे तक गहन बातचीत हुई। अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने बयान जारी कर बताया कि व्हाइट हाउस ने यूक्रेन के पावर प्लांट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका नियंत्रण अमेरिका को देने का प्रस्ताव रखा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म % ङ्क% पर अपने बयान में कहा- मैंने युद्ध समाप्त करने की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए ऊर्जा और अन्य बुनियादी ढांचे पर हमले न करने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। हमने आंशिक संघर्षविराम लागू करने और अन्य तकनीकी मुद्दों को हल करने के लिए अपनी टीम को निर्देश दिया है। अमेरिका और यूक्रेन इस मुद्दे पर सऊदी अरब में बैठक करने को तैयार हैं।

पुतिन ने ट्रम्प को एक घंटे तक इंतजार कराया

इससे पहले मंगलवार को ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बातचीत की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन ने ट्रम्प को एक घंटे तक इंतजार कराया। बातचीत का समय भारतीय समयानुसार शाम 6ः30 से रात 8ः30 बजे तय किया गया था, लेकिन पुतिन शाम 5 बजे (स्थानीय समय) पर क्रेमलिन पहुंचे। वह मॉस्को में उद्योगपतियों और व्यापारियों के एक कार्यक्रम में व्यस्त थे। कार्यक्रम के

दौरान मॉडरेटर अलेक्जेंडर शॉखिन ने पुतिन को याद दिलाया कि उन्हें ट्रम्प से बात करनी है। इस पर पुतिन ने मजाकिया अंदाज में कहा-उसकी बात मत सुनो।

ट्रम्प और पुतिन में महत्वपूर्ण समझौता हुआ

ट्रम्प और पुतिन की बातचीत के दौरान एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ । न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह संघर्षविराम सीमित होगा और इसका युद्ध की पूरी स्थिति पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- रूस अगले 30 दिनों तक यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेगा ।
- शर्त यह होगी कि यूक्रेन भी रूस के ऊर्जा ठिकानों पर हमले नहीं करेगा ।
- हालांकि, रूस सैन्य ठिकानों और शहरों पर हमले जारी रख सकता है ।
- ब्लैक सी में जहाजों की सुरक्षा को लेकर चर्चा आगे बढ़ेगी।

यूक्रेन-रूस के कैदियों की अदला-बदली

बातचीत से पहले यूक्रेन और रूस के बीच 175 युद्धबंदियों की अदला-बदली हुई। रूस ने गंभीर रूप से घायल 22 यूक्रेनी सैनिकों को भी रिहा किया। रूस की जेल से रिहा हुए यूक्रेनी सैनिकों ने परिवार से मिलकर खुशी जताई। एक यूक्रेनी सैनिक के पिता ने रिहा हुए सैनिकों को अपने बेटे की तस्वीर दिखाई। यूक्रेनी सैनिकों को बसों में बैठाकर स्वदेश लाया गया। यूक्रेन से रिहा हुए रूसी सैनिक भी अपने देश लौटे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569